● जयपुर, मंगलवार 19 नवंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 91 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25 RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये कदम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने स्टेचू सर्किल पर आयोजित दीपदान एवं रौशनी...

पेज @4 लंपी बीमारी से पहले बेसहारा गौरक्षा दल शाहपुरा ग्रुप बनाया...

पेज @8 कैलाश चन्द्र बिश्नोई, उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा के मजबूत हौसलों एवं...

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आयोजित की 'राइजिंग राजस्थान' समीक्षा बैठक

राज्य की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर बनाने के सफर में राइजिंग राजस्थान होगा

चमकता राजस्थान

- महत्वपूर्ण पड़ाव राज्य में संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा राइजिंग राजस्थान - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा -
- विकसित भारत-विकसित राजस्थान थीम पर आयोजित होगी प्रदर्शनी

जयपुर!(खलील कुरैशी) 18 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को अगले 5 सालों में 350 बिलियन डॉलर बनाने के सफर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। उन्होंने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर को आयोजित होने वाला यह समिट राज्य में सम्भावनाओं के नए द्वार खोलेगा और राज्य को देश-दुनिया में निवेश के प्रमुख केन्द्र के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगा। श्री शर्मा ने कहा कि इसमें होने वाले निवेश समझौतों से प्रदेश की हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति होगी और युवाओं के लिए भी रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ 9, 10 व 11 दिसम्बर को होने वाले विभिन्न आयोजनों, देश और विदेश से आने वाले अतिथियों के आगमन, उनके ठहरने तथा आयोजन स्थल से जुड़ी विभिन्न तैयारियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा तथा शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति श्री रवि जैन ने अपने-अपने विभागों से जुड़ी तैयारियों के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। राजधानी जयपुर सहित राज्य के सभी जिलों में प्रमुख स्थानों पर इससे संबंधित होर्डिंग्स एवं बैनर लगाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से सोशल मीडिया पर भी आयोजन का प्रमुखता से प्रचार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल की सजावट, अतिथियों की बैठक व्यवस्था तथा अन्य तैयारियों के विषय में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन से जुड़ी छोटी से छोटी तैयारियों का एक विस्तृत रोड़ मैप तैयार कर उन्हें अन्तिम रूप दिया जाए।

विकसित भारत-विकसित राजस्थान थीम पर प्रदर्शनी

बैठक में बताया गया कि समिट के दौरान विकसित भारत-विकसित राजस्थान थीम पर एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राजस्थान तथा समिट में भाग लेने वाले विभिन्न देशों के अलग-अलग जोन होंगे। राजस्थान जोन में प्रदेश के प्रमुख उद्योगों, खनिजों, पर्यटन स्थलों तथा कला-संस्कृति के बारे में एलईडी स्क्रीन, 3-डी प्रजेंटेशन तथा विभिन्न मॉडल्स के माध्यम से जानकारी दी जाएगी। साथ ही, राजस्थान में नए क्षेत्रों में औद्योगिक सम्भावनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी। प्रदर्शनी में वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के तहत जयपुर के सांगानेरी प्रिंट सहित अन्य जिलों के प्रमुख उत्पादों को दर्शाते हुए 3-डी तकनीक के माध्यम से राजस्थान के रमणीय एवं पर्यटन स्थलों के बारे में बताया जाएगा।शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति रवि जैन ने मुख्यमंत्री को 9 और 10 दिसम्बर को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। मुख्यमंत्री शर्मा ने निर्देश दिए कि कार्यक्रमों में राजस्थान की कला और संस्कृति की छाप नजर आए तथा स्थानीय लोक कलाकारों को इसमें विशेष प्राथमिकता दी जाए।

ये उच्च प्रशासनिक अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य रोहित गुप्ता, रीको प्रबंध निदेशक इन्द्रजीत सिंह, राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा, अतिरिक्त आयुक्त बीआईपी सौरभ स्वामी सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र और झारखंड थमा चुनाव प्रचार, नड्डा, राहुल गांधी समेत कई दिग्गज भरा हुंकार

नईदिल्ली/एजेंसी।

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन है. ऐसे में सभी पार्टियां चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पूरी ताकत झोंकने को तैयार हैं. दोनों राज्यों में आज शाम 5 बजे चुनाव प्रचार थम जाएगा. उसके बाद कोई भी राजनेता चुनाव प्रचार नहीं कर पाएगा. बता दें कि महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार (20 नवंबर) को मतदान होगा. वहीं झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए भी इसी दिन वोट डाले जाएंगे. दूसरे चरण में राज्य की कुल 38 सीटों पर मतदान होगा. इससे पहले 13 नवंबर को प्रथम चरण में 43 सीटों पर मतदान हुआ था. वहीं महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे. ऐसे में आज यानी सोमवार को चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सभी पार्टियों के दिग्गज नेता चुनाव प्रचार के लिए पहुंचेंगे.

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार का आज आखिरी दिन है. ऐसे में सभी पार्टियों ने अपने दिग्गज नेताओं को चुनाव प्रचार में उतारा है. बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा आज महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार करेंगे. इस दौरान वह ठाणे, सोलापुर और अहमदनगर में चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे. जबकि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मायानगरी मुंबई में जनसभा और रैली को संबोधित करेंगे. वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी चुनाव प्रचार के अंतिम दिन झारखंड में रैली करेंगे.

बता दें कि महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के साथ-साथ 20 नवंबर को उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल में भी उपचुनाव के लिए वोटिंग होनी है. बुधवार को उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान होगा. इन में सीसामऊ, फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां खैर, मीरापुर, कटेहरी, करहल और कुंदरकी विधानसभा सीट शामिल हैं. बता दें कि चुनाव आयोग ने इन सीटों पर 13 नवंबर को मतदान का ऐलान किया था. लेकिन बाद में इसे बदलकर 20 नवंबर कर दिया गया. उपचुनाव के नतीजे भी 23 नवंबर को जारी किए जाएंगे.

न्यूज़ अपडेट

भारत-चीन सीमा पर शांति के बाद भी एलएसी पर तैनात रहेगी भारतीय वायुसेना

नईदिल्ली/एजेंसी। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भले ही शांति स्थापित हो गई हो, लेकिन भारतीय वायुसेना अभी कोई जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, दावा किया जा रहा है कि वायुसेना एलएसी पर अपनी मौजूदा तैनाती में तत्काल कोई बदलाव नहीं करेगी।यह जानकारी दिल्ली स्थित वायुसेना मुख्यालय में आयोजित भारतीय वायु सेना के कमांडरों के द्विवार्षिक सम्मेलन में सामने आई है, रविवार को शुरू हुआ है और 20 नवंबर तक जारी रहेगा। यह सम्मेलन चीन के साथ एलएसी पर पूर्वी लद्दाख में डेमचोक और देपसांग के टकराव वाले क्षेत्रों से सैनिकों के पीछे हटने के बाद पहली बार आयोजित किया गया है।सम्मेलन में सशस्त्र बलों के भीतर एकीकरण पर चर्चा होगी, जिसका उद्देश्य अंतर-संचालन और समन्वित संचालन में सुधार करना है।इसके अलावा सर्दियों की परिचालन रणनीतियों पर बात होगी ताकि मौसम की कठोर परिस्थितियों के दौरान सुरक्षा और तत्परता बनाए रखी जा सके और सेना के आधुनिकीकरण पर चर्चा होगी।

पीएम मोदी के बाद अमित शाह ने की द साबरमती रिपोर्ट की तारीफ

● एकता कपूर बोलीं- हृदय से धन्यवाद

मुंबई/एजेंसी। गुजरात के गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की देश भर में प्रशंसा हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने घटनाओं के साहसिक और बेबाक चित्रण के लिए फिल्म की प्रशंसा की है।

गृह मंत्री अमित शाह ने फिल्म की प्रशंसा की है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर पोस्ट शेयर कर उन्होंने लिखा कोई भी शक्तिशाली इकोसिस्टम चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, वह सच्चाई को हमेशा के लिए अंधेरे में नहीं छिपा सकता। फिल्म द साबरमती रिपोर्ट इकोसिस्टम को चुनौती देती है और दुर्भाग्यपूर्ण घटना के पीछे की सच्चाई को उजागर करती है। अमित शाह की ओर से मिली सराहना को लेकर फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा आपके प्रेमपूर्ण शब्दों और सराहना के लिए हृदय से धन्यवाद। विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा स्टारर फिल्म 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

पीएम मोदी नाइजीरिया की यात्रा के बाद जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने ब्राजील पहुंचे

नईदिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नाइजीरिया की यात्रा पूरी करने के बाद सोमवार को जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील पहुंच गए हैं।विदेश मंत्रालय ने एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी की रियो डी जेनेरियो पहुंचने की तस्वीर साझा की है। यहां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया गया।प्रधानमंत्री मोदी 18 और 19 नवंबर को शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी मौजूद रहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के रियो डी जेनेरियो पहुंचने पर उनका स्वागत भारतीय परंपरा के अनुसार किया गया। इस दौरान भारतीय प्रशंसक भी मौजूद रहे।बच्चों और महिलाओं ने गीत, गरबा नृत्य और ब्राजील के नागरिकों ने मंत्रों का उच्चारण किया।प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में उतरा हूं। मैं शिखर सम्मेलन में होने वाली चर्चाओं और विभिन्न विश्व नेताओं के साथ उपयोगी बातचीत की प्रतीक्षा कर रहा हूं।'

मोदी 3 देशों की यात्रा पर हैं, जिसमें नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना शामिल है। ब्राजील के बाद मोदी 19 से 21 नवंबर तक राष्ट्रपति मोहम्मद इरफ़ान अली के निमंत्रण पर गुयाना की यात्रा करेंगे। 50 से अधिक वर्षों बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री गुयाना जाएगा।

मणिपुर के जिरीबाम में हिंसा में एक की मौत

प्रदर्शनकारियों ने भाजपा-कांग्रेस कार्यालयों में आग लगाई

इंफाल/एजेंसी।

मणिपुर में जातीय हिंसा रूकने का नाम नहीं ले रही। रविवार को जिरीबाम में हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की गोली से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल है।घटना रात 11 बजे बाबूपारा इलाके में हुई। सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोलीबारी की थी, जिसमें के अथौबा नामक 20 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई है।जिले में काफी तनाव है, जिसको नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बल तैनात है। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों की हिंसक भीड़ ने उसी इलाके में भाजपा और कांग्रेस के स्थानीय कार्यालयों पर धावा बोल दिया।भीड़ ने दफ्तर से फर्नीचर और अन्य संपत्ति लूट ली और आग लगा दी। हिंसा जिरीबाम पुलिस स्टेशन से 500 मीटर के भीतर हुई है। पुलिस पर हालात नियंत्रित न कर पाने का आरोप है।जिरीबाम में बराक नदी से 3 बच्चों सहित 6 विस्थापितों के शव मिलने के बाद हिंसा की आग तेज हो गई है।

मणिपुर के वर्तमान हालात को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को आपातकालीन बैठक बुलाई है, जिसमें पूर्वोत्तर संभाग के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और असम राइफल्स के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।बता दें, हिंसा के बाद से घाटी में 6 लोगों की हत्या हो चुकी है, जिसके बाद सरकार ने 7 जिलों में इंटरनेट बंद किया है और इंफाल पश्चिम और पूर्व में कर्फ्यू लगाया है।

गीतकार जावेद अख्तर के खिलाफ मानहानि का मामला वापस

● आरएसएस की तालिबान से की थी तुलना

मुंबई/एजेंसी। गीतकार और लेखक जावेद अख्तर को मानहानि के खिलाफ मामले में राहत मिली है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना तालिबान से करने पर अख्तर के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में वकील संतोष दुबे ने बताया कि 8 नवंबर को मुलुंड मजिस्ट्रेट कोर्ट को सूचित किया कि मामला मध्यस्थता से पक्षों के बीच सुलझा लिया गया है।दुबे ने खुद को आरएसएस का सदस्य बताया था। रिपोर्ट के मुताबिक, दुबे के अनुरोध के बाद कोर्ट ने मामले का निपटारा करते हुए अख्तर को भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के तहत आरोपों से बरी कर दिया है।ये धाराएं मानहानि से संबंधित है, जिसके लिए अधिकतम 2 साल की सजा का प्रावधान है। दुबे ने पिछले सप्ताह कोर्ट में उपस्थित होकर अपनी शिकायत वापस लेने का अनुरोध किया था।इसके बाद कोर्ट ने अख्तर को राहत दी। अख्तर ने 2021 में एक टेलीविजन पर साक्षात्कार के दौरान आरएसएस की तुलना तालिबान से की, जिसके बाद दुबे ने उनको नोटिस भेजकर माफी मांगने को कहा अन्यथा 100 करोड़ रुपये हर्जाना मांगने की धमकी दी।

बीजेपी में शामिल हुए कैलाश गहलोत

एक दिन पहले ही दिया था मंत्री पद और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा

नईदिल्ली/एजेंसी।

दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री रहे कैलाश गहलोत सोमवार को बीजेपी में शामिल हो गए. उन्होंने एक दिन पहले यानी रविवार को ही मंत्री पद और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दिया था. कैलाश गहलोत ने दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ली. उन्होंने बीजेपी नेता मनोहर लाल खट्टर, दुष्यंत गौतम और हर्ष मल्होत्रा की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ली. कैलाश गहलोत के बीजेपी में शामिल होने के सवाल पर दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि, वे

कहीं भी जाने और किसी भी पार्टी में शामिल होने के लिए स्वतंत्र हैं. यह उनकी मर्जी है. वह जहां भी जाएं. कैलाश गहलोत ने रविवार (17 नवंबर) को आम आदमी पार्टी पर बड़ा आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था. उन्होंने कहा था कि एक और दर्दनाक बात यह है कि लोगों के अधिकारों के लिए लडने के बजाय हम केवल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रहे हैं, इससे दिल्ली के लोगों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने में भी कठिनाई हो रही है.

पुरुषों के अस्तित्व और सुरक्षा की मांग क्यों उठने लगी?

दुनिया में अब महिला दिवस की भांति पुरुष दिवस प्रभावी रूप में बनाये जाने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। अब पुरुष भी अपने शोषण एवं उत्पीडित होने की बात उठा रहे हैं। महिलाओं की ही भांति अब पुरुषों पर भी उपेक्षा, उत्पीड़न एवं अन्याय की घटनाएं पनपने की बात की जा रही है। महिला दिवस की तर्ज पर ही पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस भी मनाया जाने लगा है। पहला अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 1999 में 19 नवंबर को डॉ. जेरोम टीलकसिंह ने त्रिनिदाद और टोबैगो में मनाया था। पुरुष दिवस दुनिया के 30 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम 'सकारात्मक पुरुष रोल मॉडल' है। यह ऐसा एक वैश्विक उत्सव है जो पुरुषों के सकारात्मक योगदान और उपलब्धियों का जश्न मनाता है, साथ ही पुरुषों के स्वास्थ्य, कल्याण और लैंगिक समानता को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह दिन पुरुषों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने वाली चर्चाओं और कार्यों को बढ़ावा देने, सकारात्मक रोल मॉडल को प्रोत्साहित करने और अधिक समावेशी समाज की वकालत करने का अवसर प्रदान करता है।

कुछ वर्ष पूर्व भारत में सक्रिय अखिल भारतीय पुरुष एशोसिएशन ने भारत सरकार से एक खास मांग की कि महिला विकास मंत्रालय की भांति पुरुष विकास मंत्रालय का भी गठन किया जाये। इसी तरह यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक सवैधानिक संस्था बननी चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, लेकिन कानून के एकतरफा रुख और समाज में हंसी के डर से वे खुद के ऊपर होने वाले घरेलू अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं। प्रश्न है कि आखिर पुरुष इस तरह की अपेक्षाएं क्यों महसूस कर रहे हैं? लगता है पुरुष अब अपने ऊपर आघातों एवं उपेक्षाओं से निजात चाहता है। तरह-तरह के कानूनों ने उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाया है। जबकि आज बदलते वक्त के साथ पुरुष अब अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील हो चुका है। कई युवा पुरुष समाज-निर्माण की बड़ी जिम्मेदारियों को उठा रहे हैं और अपनी काबिलीयत व जुनून से यह साबित भी कर रहे हैं। आज का पुरुष सिर्फ खुद को नहीं बल्कि महिलाओं के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ता है। वह यह सुनिश्चित कर रहा है कि उन्हें भी आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें व उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। यह परिवर्तन आज सभी इंडस्ट्री जैसे मीडिया, हॉस्पिटैलिटी, बैंकिंग, उद्योग, व्यापार आदि में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जहां महिलाएं शीर्ष पदों पर काम कर रही हैं।

सिर्फ यही नहीं, पुरुषों को अब महिलाओं के नेतृत्व में कार्य करने में भी झिझक नहीं महसूस होती। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इस दिवस को मान्यता देते हुए इसकी आवश्यकता को बल दिया और पुरजोर सराहना एवं सहायता दी है। एक तरफ जहां महिलाएं सशक्त हो रही हैं, वहीं पुरुषों की भी छवि समाज में बदलती जा रही है। कुछ वर्ष पूर्व की बात करें तो पुरुषों को लेकर समाज में ढेरों रुढ़िवादी विचार थे, महिलाओं के शोषण एवं उसे दोयम दर्जा दिये जाने का आरोप उस पर लगता रहा है। जिनमें अब तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। पुरुष एक ऐसा शब्द जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। नारी जहां जीवन को परिपूर्णता देती है तो वहीं पुरुष ही इसका आधार है। नारी जन्मदात्री है तो पुरुष जीवन-निर्माता है। भारतीय समाज में ''मर्द को दर्द नहीं होता'' या फिर जब कोई पुरुष रोता है तो 'मर्द बनो और रोना बंद करो' जैसी बातें बोली जाती हैं। पिछले कई सालों से पुरुषों की समाज में संघर्षशील व कठोर छवि को प्रस्तुत किया गया है। लेकिन मुख्य सवाल है कि आखिर मर्द या पुरुष हैं कौन? जो घोड़े दौड़ाता है, शिकार करता है, या फिर जो अच्छे सूट में, चमचमाती कार में ऑफिस जाता है और घर पर भी अपनी तारीफ ही सुनना चाहता है। एक रौबदार छवि, आक्रांता, शोषक, असंवेदनशीलता एवं अत्याचारी वाली उसकी छवि क्या वास्तविक छवि है? असल में पिछले कुछ वर्षों में मर्द की परिभाषा में एक उदारवादी एवं संवेदनशील बदलाव देखने को मिला है। अब पुरुष या मर्द वो नहीं जो हमें अब तक पूर्वाग्रही रूढ़िवादी मानसिकता बताती हैं, बल्कि उससे कहीं ज्यादा वो है ऐसा आधारस्तंभ है जो जिम्मेदारी उठाता है, जो सिर्फ चमकदार जूते एवं कपड़े ही नहीं पहनता बल्कि समाज व देश को भी चमकदार बनाने के लिए आगे आता है, परिवार की जिम्मेदारियों को ढोता है।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है जो पुरुषों, लड़कों की चुनौतियों और अनुभवों को पहचानने और उसके समाधान के महत्व पर प्रकाश डालता है। यह पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक पुरुषत्व और लैंगिक समानता के बारे में बातचीत को प्रोत्साहित करता है। पुरुषों के मुद्दों को संबोधित करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि लैंगिक समानता एक सामूहिक प्रयास है, जिससे पुरुष और महिला दोनों को लाभ होता है, तथा पुरुषों की भलाई पर ध्यान देना इस यात्रा का एक अनिवार्य हिस्सा है। समाज रूपी गाड़ी को सही से चलाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि महिलाएं उसका विरोधी होने के बजाय सहयोगी बने। उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां के रूप में नारी को दिया जाता है, लेकिन एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता के रूप में पुरुष का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। महिला ममता का सागर है पर पुरुष उसका किनारा है। महिला से ही बनता घर है पर पुरुष घर का सहारा है। महिला से स्वर्ग है महिला से बैकुंठ, महिला से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पुरुष ही है। उन्हीं पुरुषों के सम्मान में पुरुष दिवस मनाया जाता है।

दूसरे देशों की तरह भारत भी घरेलू हिंसा से जूझ रहा हैं। महिलाओं से होने वाली हिंसा रोकने को कठोर कानून हैं, लेकिन पुरुष भी घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। 'सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन' और 'माई नेशन' नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। इस रिपोर्ट में यह भी तथ्य सामने आया है कि पुरुषों ने जब इस तरह की शिकायतें पुलिस में या फिर किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर करनी चाही तो लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया और शिकायत करने वाले पुरुषों को हंसी का पात्र बना दिया गया। लेकिन यह एक सच्चाई है कि अब महिलाओं की भांति पुरुष भी हिंसा, उत्पीडन एवं उपेक्षा के शिकार है। वे भी अपने अस्तित्व की सुरक्षा एवं सम्मान के लिये आवाज उठाना चाहते हैं।

गहलोत के इस्तीफे का झटका, बड़े संकट का संकेत

ललित गर्ग

दिल्ली में विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी को एक बड़ा झटका लगा। दिल्ली सरकार के प्रमुख मंत्री कैलाश गहलोत ने जिस तरह से चुनावी वादों को पूरा न करने जैसे ऐसे अनेक मुद्दों का जिक्र करते हुए अपने पद एवं प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है जो अरविंद केजरीवाल की छवि पर सीधी चोट करने वाले हैं। दिल्ली के विकास की बजाय 'आप' सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतने की बात कहकर गहलोत ने आम आदमी पार्टी की एक बड़ी कमजोरी को उजागर किया है, जो 'आप' के लिये एक बड़ा राजनीतिक संकट का संकेत है। अरविंद केजरीवाल ने सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन शुरू करके इस पार्टी का गठन किया, लेकिन खुद एवं उसके अन्य बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की यात्रा कर आये, अनेक मतभेदों, विवादों एवं केजरीवाल के अहंकार, गलत नीतियों के चलते पार्टी के कई दिग्गज नेता पार्टी से दूर होते चले गए, जिनमें किरण बेदी, कवि कुमार विश्वास, आशुतोष, आशीष खेतान, शांति भूषण, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी और कपिल मिश्रा और अब कैलाश गहलोत जैसे नाम शामिल हैं। लगता है अब आम की झाड़ू ही नहीं, बल्कि आप के राजनीतिक मूल्य भी तार-तार हो गये हैं। आम आदमी पार्टी के बढ़ते संकट एवं गिरते राजनीतिक मूल्यों के कारण उसकी चुनौतियां खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है।

कैलाश गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी को इस्तीफा भेजा है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। गहलोत ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए एक लम्बा पत्र केजरीवाल को भेजा है। उन्होंने इस्तीफे में यमुना की सफाई और शीशमहल निर्माण का मुद्दा उठाया है। गहलोत ने पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा है कि जिस ईमानदार राजनीति के चलते वह आम आदमी पार्टी में आए थे, वैसा अब नहीं हो रहा है। उन्होंने पार्टी के संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को शीशमहल करार देते हुए कई आरोप भी लगाए हैं। ऐतिहासिक भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जन्मी इस पार्टी का यह हश्र एवं दूरगति राजनीतिक महत्वाकांक्षा का परिणाम है। आम आदमी पार्टी खुद को ईमानदारी के उच्चतम मानकों पर रखने का दावा भले ही करती रही हो, लेकिन उसने सत्ता का दुरुपयोग करते हुए राजनीतिक एवं नैतिक मूल्यों को ध्वस्त ही किया है। आप का उदय एक ताज़ी हवा का झोंका था लेकिन आज वह दूषित राजनीति का पर्याय बन गया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कैलाश गहलोत का इस्तीफा आम आदमी पार्टी के लिये उल्टी गिनती

का द्योतक है, यह राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने वाला है, क्योंकि गहलोत ने एक तो यह कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार यमुना को साफ नहीं कर सकी और स्थिति यह है कि वह पहले से अधिक गंदी हो गई है। इसके अलावा उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि 'आप' सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतता है। भले ही 'आप' कैलाश गहलोत की इन बातों को यह कहकर खारिज कर सकती है कि वह भाजपा की भाषा बोल रहे हैं और यह भी कहा जा सकता है कि गहलोत पर ईडी-सीबीआइ आदि का दबाव था। निश्चित ही गहलोत के खिलाफ ईडी और इनकम टैक्स के कई मामले चल रहे थे। कैलाश गहलोत पर ईडी और इनकम टैक्स की कई रेड भी हो चुकी थी। वह जांच का सामना कर रहे थे। आप के इन बयानों में कुछ सच्चाई भी हो सकती है कि उनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। लेकिन बड़ा तथ्य है कि 'आप' दिल्ली की जनता के साथ न्याय नहीं कर सकी है, वह केंद्र सरकार से बात-बात में झगड़ा मोल लेने के लिए जानी जाती है। इससे इन्कार नहीं कि केंद्र सरकार भी आम आदमी पार्टी से उलझती हुई दिखती है, लेकिन दिल्ली सरकार की छवि ऐसी बन गई है कि वह केंद्र सरकार पर दोषारोपण करने का मौका ढूंढ़ती रहती है। दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच हर मुद्दे पर खींचतान जारी रहने से सबसे अधिक नुकसान दिल्ली की जनता को हुआ है। दिल्ली की कई समस्याएं नहीं सुलझ पाने, दिल्ली का अपेक्षित विकास न हो पाने एवं अपने चुनावी वादों को पूरा न करने के कारणों के लिये 'आप' नेताओं ने हमेशा ही केन्द्र सरकार एवं भाजपा को दोषी ठहराया है। गहलोत ने कहा कि पार्टी से जुड़ी उनकी यात्रा का उद्देश्य दिल्ली के लोगों की सेवा करना था, लेकिन अब उन्होंने महसूस किया कि पार्टी सिर्फ अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रही है, जिससे दिल्लीवासियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने में मुश्किलें आ रही हैं। ऐसे में उनके सामने पार्टी से अलग होने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था।

'आप' टकराव की राजनीति में व्यस्त रही, अच्छे गवर्नेंस और बेहतर राजनीति का दामन उसके हाथ से लगातार छूटता रहा। दिल्ली में पार्टी ने असंख्य मुद्दे उठाये लेकिन वह इन सबको आखरी मंज़िल तक नहीं पहुंचा पायी। यह भविष्य ही बताएगा कि कैलाश गहलोत का त्यागपत्र आम आदमी पार्टी को राजनीतिक रूप से महंगा पड़ेगा या नहीं, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि उन्होंने अपने इस्तीफे में जिस तरह 'आप' की गलत नीति एवं केजरीवाल की अति-महत्वाकांक्षाओं का जिक्र किया, वह अरविंद केजरीवाल के साथ-साथ पूरी आम आदमी पार्टी की साख को करारा आघात देने वाला है। यह एक तथ्य है कि आम आदमी पार्टी आज तक इस प्रश्न का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकी कि आखिर अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री रहते अपने सरकारी आवास की साज-सज्जा पर 45 करोड़ रुपये खर्च करने की क्या जरूरत थी? कैलाश गहलोत ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि 'आप' अपनी रीति-नीति से भटक गई है। केजरीवाल और उनके सहयोगी इससे सहमत नहीं होने वाले, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि 'आप' की भ्रष्टाचार विरोधी राजनीतिक दल की छवि का बहुत अधिक क्षरण हुआ है। 'आप' ने नई तरह की एवं मूल्यों की राजनीति करने के जो तमाम दावे किए थे, वे दावे यदि खोखले नजर आने लगे हैं तो इसके लिए अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगी अन्य किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। एक बड़ा सवाल है कि 'आप' की इस दुर्दशा के चलते क्या वह दिल्ली पर अपनी मजबूत पकड़ को क्या कायम रख पायेगी? क्या दिल्ली में भाजपा या अन्य दलों के लिये अब सत्ता तक पहुंचने की संभावनाएं बढ़ गयी है? आप एवं उसकी सरकार के लिये अभी भी देर नहीं हुई है, ज़रूरत है कि वह जन मुद्दों के बीच प्राथमिकता तय करे। अनावश्यक टकराव से बचते हुए अपने एजेंडे को अमलीजामा पहनाये। जहां सत्ता में है, वहां अच्छा शासन दें और जहां विपक्ष में है, वहां ज़्यादा रचनाशील और प्रतिरोधात्मक ता×कत बने। एक बड़ा मुद्दा है कि वह नेतृत्व और सांगठनिक संरचना को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूत बनाये। अभी तक पूरी पार्टी अरविन्द केजरीवाल-केंद्रित है, वह पार्टी भले बन गई हो पर उसकी सांगठनिक संरचना एक ऐसे एनजीओ जैसी है, जिसका एक सर्वशक्तिमान निदेशक है और पूरा संगठन उसके निर्देश और रहमोकरम पर चलता है। यही कारण है कि एक से बढ़कर एक कद्दावर के आप नेता पार्टी छोड़ते रहे हैं। अगर 'आप' को राजधानी दिल्ली के दायरे में या इस दायरे के बाहर अपनी सुसंगत राजनीति से लोगों को लंबे समय तक प्रभावित करना है तो कथनी और करनी में समानता दिखानी होगी। आप को अपना दोगलापन दूर करना होगा। 'आप' के जीवन में सत्य खोजने पर भी नहीं मिलता। दोहरे मापदण्ड अपनाने के कारण 'आप' की हर नीति, हर निर्णय एवं हर कथन समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा करता रहा है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करती, दिल्ली की जनता ने कई गुणा इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है। जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन हाती है।

प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत को नजरअंदाज न करें

डॉ. सत्यवान सौरभ

सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का बड़ा निचोड़ यह है कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का कोई उल्लंखन न करे। इस फैसले से साफ हो गया है कि बुलडोजर न्याय अकसर उचित नोटिस या बचाव का मौका जैसी कानूनी प्रक्रिया को दरकिनार कर देता है, जो संविधान में निहित निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को चुनौती देता है। हाल ही में हुए विध्वंस में, परिवारों को न्यूनतम नोटिस दिया गया, जो अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करता है। यह प्रथा निर्दोषता की धारणा का खंडन करती है, जहां व्यक्तियों को बिना किसी परीक्षण या दोषसिद्धि के दोषी माना जाता है, जो कानून के शासन का उल्लंघन है। उत्तर प्रदेश में, बिना किसी ठोस सबूत के केवल आरोपों के आधार पर संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया, सबूत के कानूनी मानकों की अवहेलना की गई। विध्वंस न केवल अभियुक्तों पर बल्कि परिवारों और समुदायों पर भी प्रभाव डालता है, जो सामूहिक दंड के विरुद्ध सिद्धांत का उल्लंघन करता है। मध्य प्रदेश में, एक सदस्य की कथित संलिप्तता के कारण विध्वंस ने परिवारों को बेघर कर दिया, जिससे निर्दोष आश्रित प्रभावित हुए। बुलडोजर न्याय कार्यकारी और न्यायिक भूमिकाओं को धुंधला कर देता है, क्योंकि प्रशासनिक निकाय अनुच्छेद 50 का उल्लंघन करने वाले न्यायालयों के लिए दंड निष्पादित करते हैं। न्यायालय के निर्देशों के बिना संपत्तियों को ध्वस्त करना अधिकारियों को उनके दायरे से बाहर काम करते हुए दिखाता है, जो न्यायपालिका की भूमिका का उल्लंघन करता है।

जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय ने उजागर किया है, उचित नोटिस या सुनवाई का अभाव प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, जिससे उन्हें बचाव का कोई अवसर नहीं मिलता। बुलडोजर न्याय प्रशासनिक दक्षता और अतिक्रमणों पर त्वरित कार्यवाही को बनाए रखता है। अनधिकृत संरचनाओं के त्वरित विध्वंस से शहरी विकास में देरी खत्म होती है और भूमि प्रबंधन प्रक्रिया सुव्यवस्थित होती हैं। दिल्ली (2023) में, जहांगीरपुरी जैसे क्षेत्रों में विध्वंस अभियान का उद्देश्य अवैध निर्माण की रिपोर्ट सामने आने के बाद सार्वजनिक स्थानों को जल्दी

से पुनः प्राप्त करना था, जिससे शहरी विकास परियोजनाओं का सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। अवैध निर्माण के तत्काल परिणाम एक शक्तिशाली चेतावनी के रूप में कार्य करते हैं, जो भविष्य में उल्लंघन को हतोत्साहित करते हैं। अतिक्रमित क्षेत्रों का तेजी से पुनर्ग्रहण उनके उचित उपयोग को सुनिश्चित करता है, जिससे बेहतर शहरी शासन और सार्वजनिक उपयोगिता में योगदान मिलता है। निर्णायक कार्यवाही राज्य की कानूनों को बनाए रखने की क्षमता को मजबूत करती है, जिससे शासन में जनता का विश्वास बढ़ता है। लंबे समय तक चलने वाली कानूनी और नौकरशाही देरी को दरकिनार करके, यह लागत को कम करता है और भूमि विवादों के समाधान में तेजी लाता है। दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन (2023) की तैयारियों के दौरान, क्षेत्र को सुंदर बनाने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रमुख स्थलों के पास से अतिक्रमण को तेजी से हटाया गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए प्रभावी संसाधन प्रबंधन का प्रदर्शन हुआ।

जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघनः उचित प्रक्रिया के बिना तोड़फोड़ अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करती है, जो आश्रय के अधिकार सहित जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है। ओल्गा टेलिस बनाम बॉम्बे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि आवास अधिकार जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग हैं, हाल ही में हुई तोड़फोड़ में इस सिद्धांत का उल्लंघन किया गया। विध्वंस नीतियों को लागू करने में एकरूपता की कमी प्रक्रियात्मक मनमानी को जन्म देती है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करती है। पूजा स्थलों या सांस्कृतिक महत्त्व के स्थलों को नष्ट करना, धर्म का पालन करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता का उल्लंघन कर सकता है (अनुच्छेद 25-30) । कानूनी नोटिस या सुनवाई के बिना मनमाने ढंग से किए गए विध्वंस व्यक्ति के संपत्ति रखने और उसका आनंद लेने के अधिकार को कमजोर करते हैं। संविधान में यह अनिवार्य किया गया है कि किसी भी व्यक्ति को कानून के अधिकार के अलावा उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं, पत्रकारों आदि के खिलाफ दंडात्मक उपायों के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर विध्वंस अभियान असहमति पर भयावह प्रभाव डालते हैं। संपत्ति और विध्वंस अधिकारों पर नागरिकों को शिक्षित करने से समुदायों को अवैध कार्यों का विरोध करने और उचित प्रक्रिया की मांग करने में मदद मिलती है। महाराष्ट्र में स्थानीय गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई पहल कानूनी परामर्श प्रदान करती है, जिससे परिवार अनुचित विध्वंस का विरोध कर सकते हैं। जवाबदेही ढांचे को लागू करने से यह सुनिश्चित होता है कि उचित प्रक्रिया को दरकिनार करने वाले अधिकारियों को ज़िम्मेदार ठहराया जाए, जिससे शासन में विश्वास बढ़ता है। विध्वंस की निगरानी के लिए लोकपाल की स्थापना से दुरुपयोग को रोका जा सकता है और निष्पक्षता को बढ़ावा मिल सकता है। पूर्व सूचना, न्यायिक समीक्षा और अपील समय के लिए प्रोटोकॉल विकसित करना नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है। 15-दिन की नोटिस अवधि को अनिवार्य करने वाले सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं और मनमाने ढंग से किए जाने वाले विध्वंस से बचाते हैं। प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक आवास या मुआवजा प्रदान करना प्रशासनिक कार्यों को सामाजिक न्याय सिद्धांतों के साथ जोड़ता है। दिल्ली में, अतिक्रमण हटाने के दौरान विस्थापित परिवारों के पुनर्वास ने आश्रय के अधिकारों को बरकरार रखा। निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विध्वंस की निगरानी भेदभाव सम्बंधी चिंताओं को दूर करती है और वैध, न्यायसंगत कार्यवाही को लागू करती है। यूपी में स्वतंत्र ऑडिट टीमें कानूनी दिशानिर्देशों के अनुपालन की पुष्टि करने और पक्षपातपूर्ण लक्ष्यीकरण को रोकने के लिए विध्वंस का आकलन करती हैं। बुलडोजर न्याय प्रशासनिक दक्षता और संवैधानिक अधिकारों के बीच जटिल संतुलन को उजागर करता है। कानूनी सुरक्षा, पारदर्शी प्रोटोकॉल और जवाबदेही सुनिश्चित करके, भारत ऐसे शासन को बढ़ावा दे सकता है जो कानून के शासन और मानव गरिमा का सम्मान करता हो, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ संरेखित हो और प्रभावी प्रशासन को सक्षम बनाता हो।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

धूर्त पाक की नापाक धरती पर कतई न जाए भारतीय क्रिकेट टीम

डॉ आरके सिन्हा

भारत ने साफ कर दिया है कि उसकी क्रिकेट टीम आगामी साल पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग नहीं लेगी। इस तरह से उसने दुनिया को एक सख्त और स्पष्ट संदेश दे दिया है कि जब तक पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद जारी रहेगा, तब तक भारत अपने पड़ोसी मुल्क के साथ अन्य क्षेत्रों में भी सामान्य व्यवहार का दृष्टिकोण नहीं रख सकता। भारतीय क्रिकेट टीम का पाकिस्तान में क्रिकेट न खेलना एक जटिल मुद्दा है, जिसके राजनीतिक और सुरक्षात्मक दोनों पहलू हैं। आपको इस तरह के कई पिलपिले तर्क देने वाले मिल जाएँगे कि खेल को राजनीति से अलग रखना चाहिए। क्रिकेट के माध्यम से दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध बेहतर हो सकते हैं। खेल प्रशंसकों को एकजुट करता है और सद्भावना का संदेश देता है। तो क्या हम इस काल्पनिक सद्भावना के लिये अपने लोकप्रिय खिलाड़ियों की जान खतरे में डाल दें? पाकिस्तान में आतंकवाद की घटनाएं थमने का नाम ही नहीं ले रही हैं। हाल के दौर में वहां पर दर्जनों चीनी नागरिकों और सेना के जवानों का कत्ल हो चुका है। पाकिस्तान में कई आतंकी संगठन सरकार के खिलाफ बागी तेवर अपनाते हुए आतंकी घटनाओं को अंजाम देने में खुलेआम लगे हुए हैं। क्या इन परिस्थितियों में हमें अपनी टीम को सीमा के उस पार भेजना चाहिए? कहना न होगा कि इस तरह का कोई भी कदम बहुत महंगा पड़ सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से राजनीतिक तनाव चल रहा है, जिसके कारण दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य नहीं हो सके, न तो होने की कोई संभावना ही दिख रही है । इसलिए, सुरक्षा चिंताएं एक महत्वपूर्ण कारण हैं, राष्ट्रहित में लिये गए इस निर्णय का! पाकिस्तान में सुरक्षा की स्थिति कभी भी स्थिर नहीं रहती। इसलिए भारतीय खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता करना लाजिमी है। यह याद रखना होगा कि कुछ साल पहले पाकिस्तान में श्रीलंका की क्रिकेट टीम पर भीषण हमला लाहौर शहर में हुआ था। श्रीलंका की क्रिकेट टीम पर यह हमला 3 मार्च 2009 को हुआ था, जब लाहौर में गद्दाफी स्टेडियम के पास एक बड़े काफिले का हिस्सा श्रीलंकाई क्रिकेटरों को ले जा रही एक बस पर 12 बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी। क्रिकेटर पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन खेलने के लिए जा रहे थे। उस घटना को सारी दुनिया ने अपने टीवी सेटों और मोबाइल सेटों पर देखा था।

भारत यूं ही पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप नहीं लगाता। पाकिस्तान ने भारत पर बार-बार प्रत्यक्ष और

परोक्ष रूप से आतंकवादी हमले किये है। पाकिस्तान ने ही 1948, 1965, 1971 और कारगिल के युद्ध शुरू किए। यह अलग बात है कि उसे हर बार कसकर मार पड़ी। पर वह तो एक नंबर का धूर्त है। उसे मार खाने में ही आनंद आता है।

हालांकि यह भी सच है कि पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद ने भारत पर गहरा प्रभाव डाला है। दशकों से, विभिन्न आतंकवादी समूहों ने भारत में कई आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया है, जिससे बड़ी संख्या में निर्दोष लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों को चोटें लगी हैं और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है। इन हमलों के परिणामस्वरूप भारत को व्यापक आर्थिक नुकसान हुआ है। मुंबई पर हुए 2008 के आतंकवादी हमलों में हुए नुकसान का आंकलन करना मुश्किल है, क्योंकि; इसमें मानवीय और आर्थिक दोनों तरह के नुकसान शामिल हैं। मुंबई हमलों में 164 से ज़्यादा लोग मारे गए, जिसमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे। सैकड़ों लोग घायल हुए, कई को गहरी चोटें आईं। उस भयावह हमलों के बाद मुंबई पहले की तरह कभी नहीं हुई। हमलों का उन लोगों पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ा जो जीवित बचे, उनके परिवारों और समूचे शहर पर। अगर आर्थिक नुकसान की बात करें तो हमलों से संपत्ति को व्यापक नुकसान हुआ, जिसमें होटल, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थान शामिल हैं। मरम्मत और पुनर्निर्माण की लागत का सटीक आकलन तो नहीं किया जा सकता। पर्यटन उद्योग पर भारी प्रभाव पड़ा, जिससे व्यापार में गिरावट आई और सैकड़ों की नौकरियां चली गई। यह आर्थिक नुकसान दीर्घकालिक था। सारी दुनिया जानती है कि हमला पाकिस्तान के आतंकी संगठनों से किया था।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में होना है। भारत ने लाहौर में अपने सभी मैचों को दुबई में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है, क्योंकि भारतीय सरकार अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलना नहीं चाहती। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद से लड़ने और साथ ही सामान्य व्यवहार को अपनाने की दोहरी नीति नहीं अपनाना चाहता। यह पाकिस्तान को जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के लिए अपने छद्म समर्थन को वैध बनाने की अनुमति देगा। पाकिस्तान इसलिए भारतीय टीम की भागेदारी चाहता है कि अगर उसने भाग नहीं लिया तो सारा आयोजन चौपट हो जाएगा। प्रायोजक नहीं आएंगे। जरा सोचिए कि जब पाकिस्तान चीनी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाता तो भारतीय टीम की क्या करेगा। चीन के सामने तो सारी पाकिस्तान सरकार कटोरा लेकर खड़ी रहती है।

पाकिस्तान में बीते अक्टूबर महीने में कराची हवाई अड्डे के पास आत्मघाती हमले में दो चीनी नागरिक मारे गए और कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। विस्फोट सिंध प्रांत में बिजली परियोजना पर काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के काफिले पर हुआ था। पृथकतावादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), जिसने हाल के वर्षों में पाकिस्तान में विकास परियोजनाओं में शामिल चीनी नागरिकों पर बार-बार हमले किए हैं, ने कहा है कि उसने हमला किया है। इसने कहा कि उसने कराची हवाई अड्डे से आ रहे "चीनी इंजीनियरों और निवेशकों के एक काफिले" को "निशाना बनाया"। यह हमला उस वक्त हुआ है जब पाकिस्तान शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा था। यह भी याद रखा जाए कि चीनियों पर हमला उस वक्त हुआ था जब वहां इंग्लैंड की क्रिकेट टीम टेस्ट मैच खेल रही है। जाहिर है, आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान का यह दावा तार-तार हो गया है कि वहां हालात सामान्य हैं। बहरहाल, भारत को अपने स्टैंड पर कायम रहना चाहिए। भारत को अपनी क्रिकेट टीम किसी भी सूरत में पाकिस्तान नहीं भेजनी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

संक्षिप्त समाचार

नरेश मीणा की रिहाई के लिए सर्व समाज ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। 13 नवंबर को उपचुनाव के दिन देवली उनियारा के गांव समरावता ग्रामीणों पर अत्याचार किया गया प्रशासन द्वारा प्रशासन के अत्याचार के खिलाफ एवं नरेश मीणा की रिहाई की मांग को लेकर आज सर्व समाज सैकड़ो साथियों के साथ भरतपुर में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में मुख्यमंत्री महोदय के ओएसडी श्री आरके त्रिपाठी जी को मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन दिया गया सर्व समाज के लोगो का के साथ इस मौके पर राष्ट्रीय मीणा छात्र महासभा जिला अध्यक्ष रविन्द्र सिनपिनी, राष्ट्रीय मीणा युवा महासभा जिला अध्यक्ष हरेंद्र बालोत पक्का बाग, सतीश मीना पिपरी, युवा नेता विस्सू झारोटी, चेतन प्रकाश मीना,सी.पी मीना, हरेंद्र मीणा, राहुल मीणा, नीरज मीणा, युधिष्ठिर मीणा, टीटू सैनी, कोसलेन्द्र सहित सर्व समाज के लोग मौजूद रहे।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर तहसीलदार व महिला सरपंच को सोशल मीडिया पर धमकी, मामला दर्ज

चमकता राजस्थान। नदबई,(राजवीर सिंह)। क्षेत्र के गांव भौसिंगा में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में तहसीलदार व ग्राम पंचायत झारकई की महिला सरपंच को सोशल मीडिया पर धमकी देने का मामला सामने आया। जब, महिला सरपंच के पति ने एक आरोपी के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया। पुलिस के अनुसार २४ अक्टूबर को नदबई तहसीलदार कैलाश गौतम के नेतृत्व में तहसील प्रशासन व पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से नदबई-हलैना के बीच सड़क निर्माण को लेकर गांव खांगरी व भौसिंगा में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। जिसके चलते भौसिंगा निवासी अमन फौजदार पुत्र चन्द्रभान सिंह ने सोशल मीडिया (इन्स्टाग्राम) पर नदबई तहसीलदार व ग्राम पंचायत सरपंच को गोली मारते हुए हत्या करने की धमकी दी। सोशल मीडिया पर हत्या करने की धमकी मिलने पर महिला सरपंच प्रेमवती के पति बहाद्दुर सिंह पुत्र परभाती सिंह ने आरोपी के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया। उधर, मामला दर्ज होने पर पुलिस ने जांच पडताल कर आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस को सफलता नही मिल सकी।

नरेश मीणा की रिहाई को लेकर सर्व समाज ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान/भरतपुर (राजवीर सिंह)। 13 नवंबर को उपचुनाव के दिन देवली उनियारा के गांव समरावता ग्रामीणों पर अत्याचार किया गया प्रशासन द्वारा प्रशासन के अत्याचार के खिलाफ एवं नरेश मीणा की रिहाई की मांग को लेकर आज सर्व समाज सैकड़ो साथियों के साथ भरतपुर में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में मुख्यमंत्री महोदय के ओएसडी श्री आरके त्रिपाठी जी को मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन दिया गया सर्व समाज के लोगो का के साथ इस मौके पर राष्ट्रीय मीणा छात्र महासभा जिला अध्यक्ष रविन्द्र सिनपिनी, राष्ट्रीय मीणा युवा महासभा जिला अध्यक्ष हरेंद्र बालोत पक्का बाग, सतीश मीना पिपरी, युवा नेता विस्सू झारोटी, चेतन प्रकाश मीना,सी.पी मीना, हरेंद्र मीणा, राहुल मीणा, नीरज मीणा, युधिष्ठिर मीणा, टीटू सैनी, कोसलेन्द्र सहित सर्व समाज के लोग मौजूद रहे।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया आगरा मंडल में

चमकता राजस्थान। आगरा संवाददाता। आगरा रेलवे बोर्ड और मुख्यालय प्रयागराज के निर्देशानुसार आज आगरा मंडल में भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रकाश अग्रवाल, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) प्रनव कुमार और वरि. मंडल कार्मिक अधिकारी सनत जैन के मार्गदर्शन में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत कार्मिक शाखा के सभागार में निबंध लेखन, वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें रेलवे में जनजातीय और अनुसूचित जाति के वर्ग को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में कर्मचारियों को जानकारी दी गई। साथ ही, इन सुविधाओं का प्रचार-प्रसार भी किया गया। इसके अलावा, मंडल के एससी/एसटी एसोसिएशन कार्यालय पर भी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। कर्मचारियों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ इन कार्यक्रमों में भाग लिया और देश की आज़ादी, जल, जंगल, ज़मीन के लिए संघर्ष करने वाले महान आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी अरविंद कुमार, डी.के. श्रीवास्तव और अन्य कर्मचारियों ने भी हिस्सा लिया।

जयपुर का 297वां स्थापना दिवस

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने स्टेचू सर्किल पर आयोजित दीपदान एवं रौशनी कार्यक्रम में भाग लिया

विश्व धरोहर जयपुर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नियोजित शहरों में से एक : उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर शहर के 297वें स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि जयपुर की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षण प्रदान करने के साथ ही यहाँ आधुनिक विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर के परकोटे में सौ करोड़ के विकास कार्य करवाये जा रहें हैं।

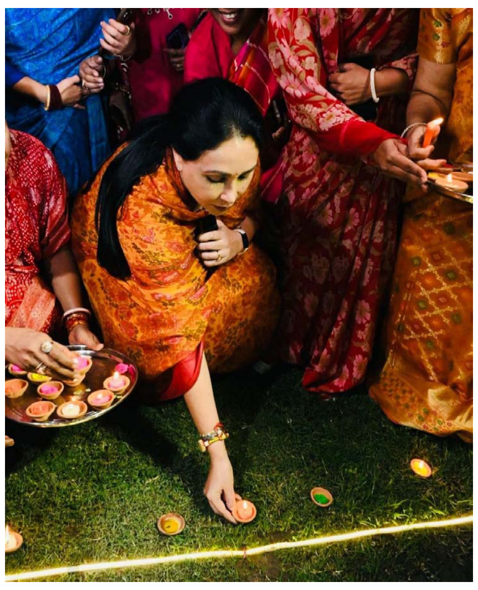

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को स्थापना दिवस के उपलक्ष में नगर निगम ग्रेटर जयपुर की ओर से स्टेचू सर्किल पर आयोजित दीपदान एवं रौशनी कार्यक्रम जयपुर वासियों को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए कहा कि जयपुर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ और नियोजित शहरों में से एक है। यह युनेस्को की विश्वधरोहर में शामिल है। यह एक ऐसा शहर है जिसकी स्थापना सवाई जयसिंह द्वितीय के द्वारा 18 नवम्बर 1727 में पूर्ण वैज्ञानिक तरीके से तथा वास्तुशास्त्र के आधार पर की गई है। इस शानदार और अद्भुत शहर का वास्तु नियोजन विद्याधर भट्टाचार्य ने किया। सवाई जयसिंह द्वितीय खगोलशास्त्र में निपुण थे। जयपुर में जंतर मंतर की स्थपना किया जाना इसका बेहतरीन उदाहरण है। जयपुर की स्थापना के 300 साल पूरे होने वाले हैं। यहाँ की चौड़ी सड़के जिन पर आज भी सुगमता से परिवहन होता है। यहाँ के ड्रेनेज़ सिस्टम, जो आज भी प्राभवी तरीके से काम कर रहा है। जयपुर का हवा महल, सिटी पैलेस, बाजार, चौराहे, मंदिर सभी शानदार और आधुनिक नगर नियोजन के बेहतरीन उदाहरण हैं। दुनिया भर से शोध करने वाले जयपुर के नगर नियोजन पर शोध करते हैं। हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। सब जयपुर के नगर नियोजन के देख अचंभित हो जाते हैं, अचरज में पड़ जाते हैं। जयपुर विश्व धरोहर है यह गर्व की बात है। जयपुर विश्व पर्यटन मानचित्र में विशेष स्थान रखता है यह गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आज हम इस सुनियोजित शहर के बनने से संवरने के 297 वर्षों के सफर का उत्सव मना रहे हैं यह गर्व और खुशी की बात है।

दिया कुमारी ने आयोजन की विधिवत शुरुआत नगर निगम ग्रेटर जयपुर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के साथ दीप प्रज्ज्वलित करके की। इस अवसर पर लोक कलाकारों द्वारा ढोल, नंगाड़े, शहनाई वादन, कच्छी घोड़ी नृत्य सहित गायन और लोक नृत्यों कि शानदार प्रस्तुतियां दी।

जयपुर स्थापना के इस आयोजन में सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश नंदिनी, पार्षदगण और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहें।

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी की प्रशासनिक बैठक, समस्याओं के समाधान के लिए दिए निर्देश

- **अजमेर/किशनगढ़ क्षेत्र में समस्याओं के समाधान को लेकर केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी की उपखंड स्तरीय बैठक, अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के समाधान को लेकर जारी किए दिशा निर्देश**

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक /श्रीनगर-

किशनगढ़ (अजमेर)। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री और अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने सोमवार को किशनगढ़ स्थित अपने निवास पर क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस उपखंड स्तरीय बैठक में क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की गई, जिसमें सड़क, बिजली, पानी, चिकित्सा, कानून व्यवस्था और कृषि से जुड़े मुद्दे मुख्य रूप से शामिल रहे। बैठक में विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

समस्याओं के समाधान पर जोर : बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। भागीरथ चौधरी ने कहा कि किशनगढ़ क्षेत्र की जनता को बुनियादी सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न हो, यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। सभी विभाग समन्वय बनाकर काम करें और क्षेत्रवासियों को राहत पहुंचाएं।

जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश : बैठक में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी समस्याओं को मंत्री और अधिकारियों के समक्ष रखा। इनमें मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी, चिकित्सा सेवा, कानून व्यवस्था और कृषि संबंधित मुद्दे प्रमुख रहे। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इन शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लें और शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भरतपुर के बेटी पूर्व सांसद रंजीता कोली ने सम्भाली झारखण्ड विधानसभा चुनाव की कमान

- **झारखण्ड विधानसभा चुनाव में पूर्व सांसद रंजीता कोली को मिली अहम जिम्मेदारी**

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। झारखण्ड चुनाव में भाजपा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा भरतपुर की पूर्व सांसद रंजीता कोली को अहम जिम्मेदारी दी गई है। झारखण्ड विधानसभा चुनाव में दलित वोटरों को साधने के लिए गिरिडीह विधानसभा प्रत्याशी निर्भय कुमार सहवादी और जमुआ विधानसभा प्रत्याशी मंजू कुमारी गांडेय के साथ ही प्रत्याशी मुनिया देवी के समर्थन में वह चुनावी सभा को संबोधित कर रही हैं । पूर्व सांसद रंजीता कोली चुनाव प्रचार के दौरान मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और झारखण्ड सरकार के उपमुख्यमंत्री के साथ मिलकर वहां चुनाव प्रचार कर लोगों से मतदान की अपील कर रही है। पूर्व सांसद रंजीता कोली ने गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा के साथ रोड शो कर लोगों से समर्थन मांगा । भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा दी गई जिम्मेदारी को लगभग 20 दिन से वह संभाल कर वहां भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार कर रही हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक लेकर वह लोगों से पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रही हैं। पूर्व सांसद रंजीता कोली ने बताया कि भाजपा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा जो जिम्मेदारी दी गई है जिसका वह बखूबी निर्वहन कर रही है और झारखण्ड चुनाव में अपना योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि इस बार और अच्छे प्रदर्शन के साथ भाजपा की सरकार बनेगी।

मतदाता और मीडिया दादागिरी की राजनीति करने वालों को नहीं दे महत्व: मदन राठौड़

राहुल गांधी को देश की राजनीति और देश की परिकल्पना को समझने की जरूरत: मदन राठौड़

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता के दौरान राजनीति में गुंडागर्दी, दादागिरी और बाहुबलियों के खिलाफ जमकर प्रहार किया। राठौड़ ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि लोग गुंडागर्दी और दादागिरी के आधार पर राजनीति कर रहे है। लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है, यहां बाहुबलियों की नहीं, जनता की सेवा करने वाले लोग राजनीति में आगे बढ़ते है। राजनीति में ऐसे बाहुबलियों, गुंडागर्दी करने वाले लोगों को सरंक्षण देने की आवशयकता नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि लोकतंत्र में गुंडागर्दी की राजनीति नहीं चलेगी, दादागिरी और बाहुबलियों की राजनीति नहीं चलेगी। लोकतंत्र में हमारे मतदाताओं को फैसला करना चाहिए कि क्या ऐसे पहलवान, बाहुबली, दादागिरी करने वाले या गुंडागर्दी करने वालों को राज देना है या फिर कानून सम्मत चलने वाले, सेवा करने वाले सभ्य समाज के लोगों को महत्व देना है। राठौड़ ने मीडिया से आ''ान किया कि ऐसे व्यक्ति तो बाहुबलियों और गुंडागर्दी की बात करते है उसको कतई महत्व नहीं दें।राजनीति और राज्य बाहुबलियों से नहीं कानून से चलेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर कहा कि राहुल गांधी को अभी समझने और अध्ययन करने की जरूरत है। राहुल गांधी विपक्ष के नेता होने के बावजूद तथ्यहीन, आधारहीन और महत्वहीन बातें करते है, कभी वे आलू से सोना, कभी लाल मीर्च बुवाई तो कभी जलेबी की फैक्ट्री जैसे अर्थ हीन बयान जारी कर देते है। ऐसे में उनका कोई जवाब ही नहीं बनता। भाजपा एक रहने की बात करती है तो कांग्रेस हमेशा देश को तोड़ने, समाज को विभाजित करने और तुष्टिकरण की नीति को बढ़ावा देने की बात करती है। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है जो देश के 140 करोड़ भारतीयों को एक मानते है, अपने परिवार का सदस्य मानते है, समाज को एक करने की बात करते है। मोदी धर्म समाज की बात नहीं करते, बल्कि देश के समाज की बात करते है और उन्हें एक करने की बात करते है। देश का समाज एक रहे इसमें किसी को क्या दिक्कत हो सकती है। समाज एक रहेगा तो सेफ रहेगा,वहीं समाज बिखरेगा तो टूटेगा, बटेगा तो कटेगा यह सब जानते है।

भाजपा प्रदेश अध्यख मदन राठौड़ ने कहा कि आज समाज को तोड़ने का काम कौन कर रहा है, यह सब जानते है। कांग्रेस ने हमेशा देश को तोड़ने और बांटने का काम किया। समाज को भी तोड़ने और बांटने का षडयंत्र कांग्रेस रच रही है। भाजपा राष्ट्र चरित्र युक्त नागरिक बने, इस देश के प्रति समर्पण का भाव सबके मन में हो, इस के लिए भाजपा एक रहो सेफ रहो के नारे पर जोर दे रही है। जो देश आपस में बंटे है, वहां के हालात आज सबके सामने है। राठौड़ ने कहा कि भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सरसंचालक मोहन भागवत ने भी स्पष्ट रूप से कहा है कि हमें किसी की पूजा पद्धति से आपत्ति नहीं है, लेकिन लोगों में राष्ट्र चरित्र, देशभक्ति, देश के प्रति समर्पण का भाव और आत्मियता का भाव होना चाहिए। राहुल गांधी को मेरी सलाह है कि वे हमारे वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकर बाते समझने की कोशिश करें। इस विषय को उद्योग पतियों की ओर मोड़ने की आवशयकता नहीं है, उन्हें राजनीति की और देश की परिकल्पना को समझने की जरूरत है।

लंपी बीमारी से पहले बेसहारा गौरक्षा दल शाहपुरा ग्रुप बनाया

- ग्रुप की टीम गायों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने का कर रही सराहनीय हैं
- आठ सौ गायों के लगाए रेडियम बेल्ट, 400 की रेस्क्यू कर बचाई जान
- मुख्यमंत्री निःशुल्क वैटरनरी पशु एम्बुलेंस गायो के इलाज के लिए वरदान साबित

चमकता राजस्थान

शाहपुरा (खलील कुरैशी)।लंपी बीमारी के दौरान शाहपुरा उपखंड क्षेत्र के कई युवाओं ने पहल करते हुए गौ सेवा करने का बीड़ा उठाया वही उससे पहले ग्रुप बनाकर गायों की सेवा की जा रही थी। दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से धर्मपाल यादव, लोकेश सामोता ने अपने मित्रों के साथ एक अभियान शुरू किया जिसके बाद धीरे-धीरे युवा जुड़ते गए अनाथ निराश्रित गौरक्षा दल शाहपुरा ग्रुप हर समय घायल गोवंश का इलाज करने के लिए आगे आने लगे। ग्रुप के युवा साथियों द्वारा अभी तक 800 गायों को रेडियम बेल्ट लगाए गए हैं,वहीं 400 से अधिक हादसों में घायल होने वाले गोवंश का रेस्क्यू किया गया। व्हाट्सएप पर बनाये हुए गौरक्षा दल शाहपुरा के नाम से ग्रुप के माध्यम से कोई भी घायल बीमार गाय की सूचना मिलते ही सहायता के लिए टीम के सदस्य मौके पर पहुचते है।

- शाहपुरा उपखंड के 35 किलोमीटर दायरे में आधी रात को टीम रहती है तैयार

शाहपुरा क्षेत्र में गौरक्षा दल शाहपुरा द्वारा अनाथ निराश्रित गायों के लिये गौरक्षा दल शाहपुरा ग्रुप के युवा साथी जिसमें 10 से 20 सदस्य जो रात भर सजक रहते हैं। कहीं पर भी सोशल मीडिया पर उपखंड क्षेत्र के 35 किलोमीटर दायरे में घायल गोवंश की जानकारी मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंच जाते हैं। क्षेत्र में कहीं से भी कॉल आने की स्थिति में दल के सदस्य द्वारा पहुंचकर गायों का रेस्क्यू कर उसका इलाज करवाया जाता है। मुख्य रूप से दुर्घटना में रात के समय घायल होने वाली गायों का बेहतरीन तरीके से इलाज कर उसको श्री परमानंद गौशाला खोरी,श्रीनारायण दास गौशाला घासीपुरा,उदावाला गौशाला,त्रिवेणी धाम गौशाला में पहुंचाया जाता है। जहां पर घायल गोवंश का अच्छी तरीके से इलाज करके उसको सही किया जाता है। अभी तक टीम द्वारा 800 गायों को रेडियम बेल्ट लगाए गए जिसमें जाजेकलाँ, शाहपुरा नगर परिषद, खोरी , बिदारा, घासीपुरा, नाथावाला, त्रिवेणी धाम तक टीम के सदस्य जानकारी मिलते ही पहुंच जाते हैं। ग्रुप के माध्यम से मिल रहे सहयोग से करवा रहे हैं इलाजनिराश्रित गौरक्षा दल शाहपुरा ग्रुप के सदस्य नवल टेलर,मनीष लोमोड ने बताया कि लंपी बीमारी से पहले युवा साथियों ने पहल करते हुए ग्रुप बनाया जिसके माध्यम से भामाशाह द्वारा सहयोग किया जाता है। सहयोग के माध्यम से ही घायल गोवंश का इलाज होता है। इस दौरान पूरा खर्च वहन नहीं हो पता है तो सभी सदस्य आपस में बांटकर गायों का इलाज करवाकर उसको गौशालाओं में शिफ्ट किया जाता है।सदस्य पंकज भट्ट,राम योगी ने बताया कि अधिकतर गोवंश जो सड़कों पर लोग छोड़ देते हैं वही हादसों की शिकार होती है। बारिश के समय अधिकतर लोग गायों को सड़क पर खुला छोड़ देते हैं, जिसके चलते वह हादसे का शिकार हो जाती है।

संक्षिप्त समाचार

297 वें जयपुर स्थापना दिवस पर कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रदेशवासीयों को प्रेषित करी शुभकामनाएं

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। राजस्थान सरकार कैबिनेट मंत्री व झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने गुलाबी नगरी जयपुर के 297 वें स्थापना दिवस पर प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि, जयपुर अपनी भव्य स्थापत्य कला समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक परंपराओं के लिए जाना जाता है। साथ ही जयपुर अपने अतिथि सत्कार और आधुनिक विकास की मिसाल भी है। जयपुर ने हमेशा अपनी विशेष पहचान बनाए रखी है और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। कर्नल राठौड़ ने राजधानी वासियों से शहर केविकास और स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए कहा कि हम सभी को जयपुर की विरासत को संजोते हुए इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करना चाहिए।

क्षत्रिय युवा एकता राजस्थान के पदाधिकारियों ने सौपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान/धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर /बाड़ी उपखण्ड में क्षत्रिय एकता धौलपुर ने राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम तहसीलदार बाड़ी को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में बताया कि टोंक जिले की निवाई तहसील के शहर में सती माता की सैकड़ो पुरानी छतरी जिसको जैन समाज के लोगों ने अतिक्रमण कर पूजा बंद कर दी गई है। अतः सरकार से निवेदन है कि अतिक्रमण मुक्त कर करके सती माता की छतरी पर पूजा को शुरू किया जाए। सरकार अगर इसको ध्यान नहीं देती है। तो राजस्थान क्षत्रिय समाज के लोग राजपूत समाज के लोग आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा। ज्ञापन में राजस्थान क्षत्रिय एकता के पदाधिकारी मौजूद रहे।

‘‘वर्तमान वैचारिक परिदृश्य एवं चुनौतियां’’विषय पर व्याख्यान’

चमकता राजस्थान/जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माननीय सह सरकार्यवाह अरुण कुमार मंगलवार दिनांक 19 नवंबर 2024 को शाम 6:00 बजे स्टेच्यु सर्किल स्थित बिड़ला सभागार में एकात्मक मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के द्वारा अयोजित दीनदयाल स्मृति व्याख्यान के मुख्य वक्ता होंगे वे वर्तमान वैचारिक परिदृश्य एवं चुनौतियां विषय पर मार्गदर्शन करेंगे’
प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ महेश चंद्र शर्मा कार्यक्रम की प्रस्तावना रखेंगे ’ कार्यक्रम संयोजक प्रदीप सिखवाल ने बताया कि विगत 24 वर्ष से प्रतिष्ठान के द्वारा राष्ट्रीय विषय को लेकर व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें अब तक राष्ट्रीय स्तर के नेता और विचारक मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल होते रहे रहे है’

जिला कलेक्टर लोकबंधु ने की जनसुनवाई

उपखंड अधिकारी यादव रहे मौजूद

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक

श्रीनगर /अजमेर/नसीराबाद। श्रीनगर वीसी कक्ष मे अटल जन सेवा शिविर मे जिला कलेक्टर अजमेर लोकबंधु यादव, नसीराबाद उपखण्ड अधिकारी देवीलाल यादव, तहसीलदार ममता यादव व विकासधिकारी महेश चौधरी ने आमजन की परिवेदनाए सुनकर पूर्व की परिवेदनाओ का निस्तारण किया। आयोजित हुये शिविर मे पहुंच जिला कलेक्टर लोकबंधु यादव ने ब्लॉक के सभी विभागो के मुख्य अधिकारियो से उनके विभाग से सम्बन्धित निस्तारण नही हुई आमजन की समस्याओ के कारण के लिए जवाब तलब कर लम्बित प्रकरणो के शीघ्र निस्तारण के आदेश दिए। बाद मे जिला कलेक्टर श्रीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य मे ओपीडी कक्ष,दवा वितरण कक्ष,कम्प्यूटर ऑपरेटर व भर्ती वार्ड का निरीक्षण किया जहा पलंग की फटी व गंदी चदरो के उपस्थित चिकित्सक अभिषेक को चदरो को हटाने व चिकित्सालय परिसर मे सफाई व्यवस्था के निर्देश दिए, वही वार्ड भर्ती मरीजो से बात करी। श्रीनगर खेड़ा चौराह स्थित अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण किया जहा मौके पर उपस्थित महिला से रिकॉर्ड मांगा गया वही जिला कलेक्टर ने खाना पकाने वाले कमरे मे जुते बाहर उतार कर प्रवेश किया रसोई मे रखे फ्रिज को खोलकर देखा व रसोई मे सफाई व्यवस्था की जांच की। आयोजित अटल जन सेवा शिविर मे अलग-अलग तरह की 25 परिवादियो ने परिवेदनाए दिये।

लॉरेंस बिश्नोई पर मुंबई पुलिस ने कसा शिकंजा

कैलिफोर्निया में हिरासत में लिया गया भाई अनमोल मुंबई पुलिस ने दावा

चमकता राजस्थान

मुंबई। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर पुलिस ने शिकंजा कसा है। मुंबई पुलिस के सूत्रों ने दावा किया है कि लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई को कैलिफोर्निया में पुलिस ने हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। भारतीय अधिकारी इस बारे में पूरी जानकारी जुटा रहे हैं। पिछले दिनों गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को अमेरिका से वापस लाने के लिए मुंबई पुलिस ने प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की थी। अनमोल के अमेरिका में होने की सूचना मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने अनमोल बिश्नोई के प्रत्यर्पण का एक प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) को भेजा था।सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी मामले में वाछित आरोपी पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने अनमोल के प्रत्यर्पण का प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेजा था। इसे वहां से विदेश मंत्रालय को भेजा गया। लॉरेंस और अनमोल बिश्नोई को 14 अप्रैल को मुंबई के बांद्रा इलाके में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर हुई गोलीबारी की घटना में वांछित आरोपी नामजद किया गया है। इसके अलावा वह एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी की हत्या मामले में भी वांछित है।अनमोल के खिलाफ जारी किया गया था लुकआउट सर्कुलर इससे पहले अनमोल बिश्नोई के खिलाफ अप्रैल में 'लुकआउट।

कौन है अनमोल बिश्नोई

पंजाब के फजिल्का का रहने वाला अनमोल बिश्नोई उर्फ भानु गैंगस्टर लॉरेंस का भाई है। जांच में पता चला है कि वह कनाडा में रहता है और नियमित रूप से अमेरिका आता जाता है। सिद्धू मूसेवाला की हत्या में उसका नाम सामने आया था। 2023 में एजेंसी ने उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी जिसमें बताया गया कि वह फर्जी पासपोर्ट पर भारत से भाग गया है। पिछले साल उसे केन्या और इस साल कनाडा में देखा गया। अनमोल पर 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह जोधपुर जेल में रह चुका है। उसे अक्तूबर 2021 को जमानत पर रिहा किया गया था।सर्कुलर' जारी किया गया था। एनआईए ने बिश्नोई बंधुओं सहित नौ आरोपियों के खिलाफ अगस्त 2022 में एक प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें उन पर 'केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए धन जुटाने, युवाओं की भर्ती करने' के अलावा 'प्रमुख व्यक्तियों की लक्षित हत्याओं' की साजिश का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धारावी जमीन का मुद्दा छाया

- भाजपा की राहुल के आरोपों पर सफाई

मुंबई/एजेंसी। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में मुंबई की धारावी जमीन का मुद्दा छाया हुआ है। सोमवार को प्रचार के अंतिम राहुल गांधी ने मुद्दे पर भाजपा को घेरा, जिस पर भाजपा ने सफाई दी।भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावडे ने मुंबई में पत्रकारों से कहा, धारावी की जमीन महाराष्ट्र सरकार के पास रहेगी, उस पर विकास का काम अडाणी (गौतम अडाणी) करने वाले हैं और इसलिए हमने ये जमीन किसी को दी नहीं है। यही सच्चाई है।
तावडे ने आगे कहा, आपने (राहुल गांधी) कहा कि वहां से गरीबों को हटाना चाहते हैं, तो ये टेंडर तो कांग्रेस के नेतृत्व में महाविकास अघाडी के समय पर बने नियम के हिसाब से निकले थे। रेल की जमीन आने पर थोड़े बदलाव हुए, बाकि सारे नियम आपके (कांग्रेस) बनाए हुए हैं, यानी आप भी उनको (अडाणी) देना चाहते थे। एक टेंडर अबू धाबी की कंपनी का था, जिसके पार्टनर शेख हैं। क्या आप जमीन शेख को देना चाहते थे? धारावी मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेतृत्व वाली महाविकास आघाडी के नेता भाजपा और अरबपति गौतम अडाणी पर हमलावर हैं।राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि धारावी जमीन अडाणी समूह को देने के लिए महाराष्ट्र में महाविकास आघाडी की सरकार गिराई गई और भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति की सरकार आई।इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी यही बात कही थी। उन्होंने सरकार में आने पर अडाणी का टेंडर रद्द करने का वादा किया है।

वह आलमगीर और इरफान अंसारी के गुलाम बन गए हैं

- हिमंता का हेमंत पर जुबानी हमला

रांची/एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने झारखंड में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन मांडू, डुमरी और टुंडी विधानसभा सीट पर चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी सरकार पर जोरदार जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन अपनी ही सरकार के मंत्री रहे आलमगीर आलम और इरफान अंसारी के गुलाम हो गए हैं। उनके कहने पर जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज जैसे कई जिलों में स्कूल शुक्रवार को बंद रखे जाते हैं। ऐसे में तो हिंदुओं को भी हनुमान जी की पूजा के लिए मंगलवार को छुट्टी दी जानी चाहिए। सरमा ने कहा कि हजारीबाग जिले के महुदी में 30-40 साल से रामनवमी का जुलूस नहीं निकलने दिया जा रहा। गढ़वा में दुर्गा माता का विसर्जन जुलूस नहीं निकलने दिया जाता। ऐसी सरकार को इस बार गंगा नदी में विसर्जित कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड में हमारी-आपकी नहीं, इरफान अंसारी और आलमगीर आलम की सरकार चल रही है। ये लोग घुसपैठियों को बुलाते हैं और लव जिहाद करते हैं। माटी, रोटी और बेटी छीनने का काम करते हैं। माटी, रोटी और बेटी को बचाने के लिए भाजपा की सरकार बनाना जरूरी है।
हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए असम के सीएम ने कहा कि उन्होंने अपने पिता की कसम खाकर पांच लाख युवाओं को नौकरी देने की बात कही थी, लेकिन एक भी युवा को नौकरी नहीं मिली है। उन्होंने शादी के बाद हर महिला को एक सोने का सिक्का देने का वादा किया था, वह भी हेमंत सोरेन ने नहीं दिया। हेमंत जब अपने पिता के नहीं हुए, तो हम लोगों के क्या होंगे? वह अपने पिता की झूठी कसम खाते हैं।
असम के सीएम ने राज्य की सरकार पर अबुआ आवास योजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस योजना का नाम अबुआ आवास नहीं, बबुआ आवास होना चाहिए, क्योंकि लोगों से 30 से 40 हजार रुपये बाबुओं द्वारा वसूला जाता है। हमारी सरकार बनती है तो झारखंड में 21 लाख लोगों को पक्के मकान बनाकर देंगे। हालत यह है कि आज झारखंड में ट्रैक्टर या साइकिल से अगर कोई बालू लेकर जाता है, तो पुलिस उसे पकड़ लेती है, लेकिन ट्रक और बड़े वाहनों से बालू जब यूपी और बिहार जाता है तो पुलिस उसे नहीं रोकती, क्योंकि इस धंधे में सरकार भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह सरकार घरों में बहू और सास में झगड़ा लगवा रही है। पिछले छह महीने से बुजुर्गों और विधवाओं को पेंशन नहीं मिला है और यही पैसा काट कर मईया सम्मान योजना में माता को दिया जा रहा है। सास का पैसा बहू को और बहू का पैसा सास को देकर यह घर में झगड़ा लगवाया जा रहा है।

पुलिस ने 350 किलोमीटर पीछा कर उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से पकड़ा बदमाश

एक दिन में देता 2-3 लूट को अंजाम, बाइक की नंबर प्लेट हटा करता वारदात

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) । जयपुर पुलिस ने 350 ङट पीछा कर एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। वारदात को अंजाम देने से पहले वह बाइक की नंबर प्लेट हटा देता था। एक दिन में 2-3 लूट की वारदातों को अंजाम देकर फरार हो जाता था। विद्याधर नगर थाना पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने पिछले दो महीने में दर्जनों लूट की वारदात को अंजाम देता कबूल किया है। डीसीपी (नॉर्थ) राशि डोगरा डूडी ने बताया- लूट मामले में आरोपी वाहिद अली उर्फ फाम (32) निवासी नागतलाई कच्ची बस्ती सुरजपोल अनाज मंडी गलतागेट को अरेस्ट किया गया है।5 नवम्बर को विद्याधर नगर निवासी महेन्द्र कुमार तापडिया ने लूट की एफआईआर दर्ज करवाई थी। उनकी पत्नी किसी काम से घर से बाहर गई थी। स्कूटी से वापस घर लौटते समय एक अपार्टमेंट के पास बाइक सवार ने गले पर झपट्टा मारा। पत्नी के गले से सोने की चेन और डायमंड पेंडेंट झपट्टा मारकर तोड़ लिया। छीना-झपट्टी के दौरान स्कूटी सहित पत्नी को गिराकर फरार हो गया। चेन स्नेचिंग के दौरान रोड पर गिरने से पत्नी घायल हो गई। पुलिस ने वारदातस्थल के आस-पास लगे उउळश फुटेजों को खंगाला। फुटेज के आधार पर शातिर बदमाश की पहचान वाहिद अली उर्फ फाम के रूप में हुई।

पीछा करते हुए उत्तर प्रदेश पहुंची टीम

» राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस से बचने के लिए बदमाश बार–बार अपने छिपने का ठिकाना बदलते रहा। 15 नवम्बर को मुखबिर से सूचना मिली कि शातिर लुटेरा वा–हद अली उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में छिपा है। 350 किलोमीटर तक पीछा करते हुए गजियाबाद के मच्छी मार्केट में पुलिस टीम ने दबिश देकर लुटेरे वाहिद को धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। लूटी गई चेन को ट्रांसपोर्ट नगर निवासी अपने साथी रवि सांसी को बेचना कबूल किया। विद्याधर नगर थाना पुलिस की गिरफ्त में चढ़े लुटेरे वाहिद के खिलाफ जयपुर शहर के विभिन्न थानों में करीब 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया है कि पिछले 2 महीने में वह दर्जनभर लूट की वारदात कर चुका है। एक दिन में 2 से 3 वारदातों को अंजाम देता था। लूट करने से पहल्ने बह बाइक की नंबर प्लेट हटा देता था। वारदात को अंजाम देने के बाद कुछ दूरी पर दोबारा बाइक पर नंबर प्लेट लगा लेता था।

दूर का दिखाने वाली दूरबीन

चिड़िया देखना हो या फिर तारे। एक दूरबीन से दो काम बहुत अच्छे से हो सकते हैं। अपनी पॉकेट मनी बचाकर अगर ऐसी कोई चीज खरीदते हो तो वह जिंदगीभर काम आएगी। दूरबीन दूर की दुनिया को तुम्हारे पास ले आएगी। जाड़े के दिनों में तो प्रकृति को, पंछियों और तारों को दूरबीन से घंटों देखा जा सकता है। कौन जाने, एक दूरबीन तुममें भी वैसी ही कुछ रुचि पैदा कर दे या फिर गैलीलियो की तरह तुम भी अपनी दूरबीन के कारण अपने दोस्तों में पहचाने जाओ। जन्मदिन पर तुम पापा-मम्मी से कोई बड़ी चीज माँगने के बजाय दूरबीन की जिद भी कर सकते हो। उन्हें भी दूरबीन दिलाने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूरबीन से देखने पर नई दुनिया खुल जाती है। दूर की कौड़ी को पास लाने वाली दूरबीन अगर तुम्हारी दोस्त बन जाए तो क्या बात है। तो ले आओ दूर की चीजों को पास, एक दूरबीन के साथ।

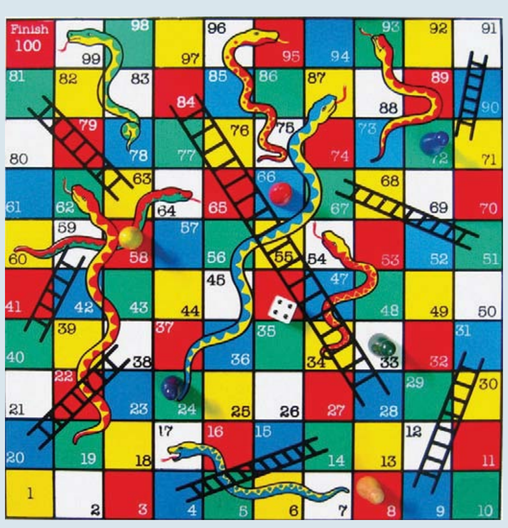

साँप-सीढ़ी खेल की शुरुआत किस देश में हुई?

बच्चों के पसंदीदा इस खेल की शुरुआत प्राचीन भारत में हुई है। पहले इसे मोक्षपत और मोक्षपतामु कहा जाता था। इसकी शुरुआत कब हुई इसका ठीक-ठीक समय तो पता नहीं पर माना जाता है यह खेल ईसा के जन्म के भी दो सौ सालों पहले से खेला जा रहा है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि ईसा के 1300 साल बाद संत ज्ञानदेव ने इसकी शुरुआत की। इस खेल के जरिए बच्चों को यह सिखाया जाता था कि अगर वे अच्छा काम करते हैं तो वे आगे बढ़ेंगे। भारत में जो खेल चलता था उसमें साँप के मुकाबले सीढ़ियों की संख्या कम होती थी। फिर यह खेल इंग्लैंड पहुँचा और वहाँ कुछ बदलाव के साथ यह स्नेक एंड लेडर्स के तौर पर पहचाना जाने लगा। यहाँ से खेल में जितने साँप हो गए उतनी ही सीढ़ियाँ हो गई। 1943 से यह खेल अमेरिका में भी खेला जाने लगा।

कैटरपिलर

कैटरपिलर का मतलब इल्ली होता है। जितनी भी तितलियाँ या मोथ हैं सभी के अंडे से पहले इल्ली बनती है। धीरे-धीरे यह कैटरपिलर बड़ी होती है और बटरफ्लाय में चेंज हो जाती है। कैटरपिलर में स्पेशल ग्लैंड होती है जिसकी सिकरिशन से वे सिल्क बनाती हैं। कैटरपिलर के सिर पर 12 छोटी-छोटी आँखें होती हैं जिसे 'ओसिली' कहा जाता है। इसके सिर पर दो जोड़ी जबड़े भी जुड़े रहते हैं, जो मेंडीबल्स कहलाते हैं।
इसकी स्किन स्ट्रेचेबल नहीं होती है इसलिए जैसे ही इसका साइज बढ़ता है इसकी स्किन टूटती जाती है। कैटरपिलर के आगे के तीन जोड़ी पैर को थोरेसिक लेग कहा जाता है और ये चलने और पकड़ने का काम करते हैं। इसकी बॉडी 13 सेगमेंट में बँटी हुई होती है। सभी इंसेक्ट की तरह यह भी शरीर पर मौजूद छेदों से साँस लेते हैं। इन छेदों को स्पाइरेकल कहा जाता है। इसके पीछे के पैरों को प्रोलेग कहा जाता है। इन पैरों से वह पौधों की डालियों को पकड़ने का काम करता है।
ज्यादातर कैटरपिलर का कलर हरा होता है ताकि वे आसानी से पत्तियों में छुपे रहें। इनका मुख्य खाना ही पत्तियाँ होती हैं। लेकिन कुछ कैटरपिलर बहुत सुंदर होते हैं। जैसे कैबेज व व्हाइट कैटरपिलर पर बहुत ही सुंदर स्पाट होते हैं। टाइगर मोथ एकदम लाल रंग का होता है। पस मॉथ का शेप एकदम अलग ढंग का होता है। एम्प्ररर मॉथ हरे रंग का बहुत सुंदर कैटरपिलर होता है। वैसे तो मॉथ के सभी कैटरपिलर सिल्क बनाते हैं, लेकिन जो सबसे अच्छी क्वालिटी का सिल्क देता है उसे सिल्क वर्म कहा जाता है।

आलसी जानवरों की दुनिया

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढ़ने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

आर्मांडीलो

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्मांडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

स्लोथ

दक्षिण और मध्य अमेरिका में पाए जाने वाले स्लोथ बहुत धीमी गति से अपने काम करते हैं। जमीन पर चलते और पेड़ पर चढ़ते वक्त ये एक मिनट में सिर्फ 15-20 सेमी ही आगे बढ़ पाते हैं। ये इतने आलसी होते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। स्लोथ दिन में अपने हाथों से पेड़ों की शाखाओं को घेरकर उलटे लटके रहते हैं। ऐसे ही ये लटके हुए 20 घंटे तक सोते रहते हैं।

ब्राउन बैट

ये उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं। उलटे लटकने वाले ब्राउन बैट दिन में 20 घंटे सोते रहते है और रात को एक्टिव होते हैं।

गिलहरी

गिलहरी कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा से भरपूर खाना खाती है, जिससे इसे नींद ज्यादा आती है। ये टहनियों, पत्तों, फर और पंखों जैसी नरम चीजों से बनाए घोंसले में रहती है और दिन में करीब 14 घंटे सोती है।

आउल मंकी

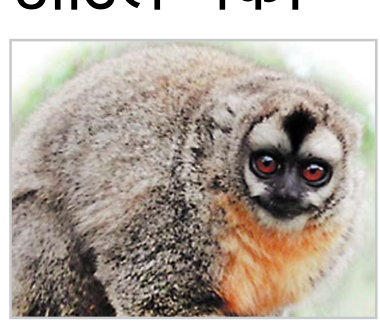

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

दरियाई घोड़े

अफ्रीका में पाए जाने वाले हिप्पो ऊंघने में मास्टर होते हैं। समूह में रहने वाले हिप्पो दिन के समय गर्मी से बचने के लिए पानी के नीचे या जमीन पर, जहां भी मौका मिलता है, झपकी ले लेते हैं। अपने समूह के साथ हिप्पो बेखौफ होकर दिन में 18-20 घंटे सोते हैं।

प्यारा और अनूठा

शेवट्रेन

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है। शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

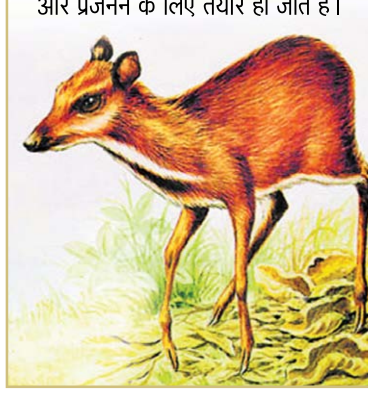

इनक्यूबेटर का कमाल

आर्यन और प्रफुल्ल दोनों भाइयों की साइंस में विशेष रुचि थी। साइंस की उन्हें काफी जानकारी भी थी। स्कूल से लौटकर आने के बाद भी वे दोनों कभी साइंस की कोई मैगजीन पढ़ते रहते तो कभी साइंस से जुड़ी कोई वेबसाइट देखते रहते। उनकी कॉलोनी में रहने वाले लोग अकसर उनके पापा से कहते, 'देख लीजिएगा श्याम जी! आपके बेटे एक दिन बहुत बड़े वैज्ञानिक बनेंगे।'

लोगों के ऐसा कहने की वजह यह थी कि उन्होंने कई बार आर्यन और प्रफुल्ल को साइंस की मदद से समस्याओं के काफी रोचक समाधान निकालते देखा था। आज भी उनके पास एक ऐसी समस्या आ गई थी। दरअसल सुबह जब वे स्कूल बस के आने का इंतजार कर रहे थे तब उनकी कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल उनके पास आए और कहने लगे, 'मैं एक मुश्किल में फंस गया हूं। मुझे लगता है कि उसका समाधान तुम दोनों निकाल सकते हो। क्या तुम मेरी मदद करोगे?'
'क्या हुआ अंकल, आप बताइए। अगर संभव हुआ तो हम आपकी परेशानी का हल जरूर निकालेंगे।' आर्यन बोला।
'थैंक्यू बच्चो! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। अब मेरी समस्या सुनो- मेरे पास एक मुर्गी है, जिसे मैंने बड़े प्यार से पाला है। कल वह घर के बाहर घूमते-घूमते अचानक सामने वाले घर में चली गई और लोहे के कंटीले तारों में फंसकर जख्मी हो गई। कल ही उसने दो अंडे दिए हैं। अंडों में से चूजों के बाहर आने में अभी समय है और मुर्गी अभी ऐसी हालत में नहीं है कि उन्हें गर्मी देकर से सके। क्या अंडों को सेने का कोई और तरीका हो सकता है? मैं चाहता हूं कि दोनों चूजे अंडों से बाहर निकलने के बाद पूरी तरह स्वस्थ हों और तब तक मुर्गी की हालत भी सुधर जाए।'
आर्यन और प्रफुल्ल ने एक पल के लिए कुछ सोचा और एक-दूसरे की तरफ देखकर दोनों के मुंह से निकला- 'इनक्यूबेटर'।फिर वे दोनों बोले, 'अंकल आपका काम हो जाएगा। हमें शाम तक का समय दीजिए। आपके चूजे भी सही सलामत रहेंगे और मुर्गी भी।' यह सुनते ही कॉलोनी वाले अंकल के चेहरे पर मुस्कान आ गई।
स्कूल से घर वापस आते ही दोनों भाइयों ने खाना खाया और इनक्यूबेटर बनाने में लग गए। सबसे पहले आर्यन ने थर्मोकॉल का एक चौकोर डिब्बा बनाया, जिसे खोला भी जा सके। इसके बाद प्रफुल्ल ने उसके अंदर चारों तरफ रुई की मोटी पर्त बिछा दी ताकि उसके अंदर अंडों को सेने के लिए जरूरी गर्मी बनी रहे। दोनों भाइयों ने बायोलॉजी के पाठ इनक्यूबेटर में पढ़ा था कि मुर्गी के अंडों को सेने के लिए 99 से 102 डिग्री के आस-पास के तापमान की जरूरत होती है। दोनों ने इसके लिए उस डिब्बे का तापमान मापने के लिये उसमें तापमान मानक यंत्र के रूप में थर्मामीटर रख दिया। फिर डिब्बे के अंदर एक साफ मुलायम कपड़ा बिछाया। साथ ही उस डिब्बे में ऊपर से एक छेद करके उसमें बिजली का एक तार लटकाया। बिजली के उस तार के एक कोने में प्लग लगाया और तार के दूसरे कोने को बॉक्स में लटकाकर उसके अंदर होल्डर लगाया। होल्डर में एक बल्ब फिट किया और उसे जला दिया ताकि उसके जलने से डिब्बे में जरूरत के हिसाब से तापमान बना रहे। इसके बाद दोनों ने उसका तापमान थर्मामीटर से मापकर देखा तो वह उतना ही था, जितने की उन्हें जरूरत थी। अब उनका इनक्यूबेटर मुर्गी के अंडे सेने के लिए तैयार था।
शाम को आर्यन और प्रफुल्ल इनक्यूबेटर लेकर मुर्गी वाले अंकल के घर गए। वहां उन्होंने उसे सेट करके उसमें दोनों अंडों को रख दिया। साथ ही उन्होंने अंकल से कहा,'इन अंडों में से चूजे निकलने में 21-23 दिन का समय लगेगा। हम बीच-बीच में आकर इसे चेक करते रहेंगे। अब हम चलते हैं और आप भी अब निश्चिंत होकर अपनी मुर्गी का इलाज करवाइये।
घरेलू इनक्यूबेटर में अंडों के सेने का इंतजाम असर दिखा रहा था। 21वें दिन आर्यन और प्रफुल्ल को अंडों में कुछ हलचल सी दिखी। यह देखकर वे दोनों बहुत खुश हुए। 23वें दिन अंडे का छिलका टूटा और उसके अंदर से दो प्यारे-प्यारे चूजे बाहर आए। उन्हें देखकर सब तालियां बजाने लगे। कॉलोनी में रहने वाले लोग आर्यन और प्रफुल्ल को बधाई दे रहे थे।
आर्यन और प्रफुल्ल की खुशी का ठिकाना नहीं था। अगले दिन उन दोनों के स्कूल में प्रिंसिपल सर ने दोनों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आर्यन और प्रफुल्ल हमारे स्कूल के नंबर वन बाल वैज्ञानिक हैं। ये सिर्फ परीक्षा में पास होने के लिए ही पढ़ाई नहीं करते, बल्कि उसे अमल में भी लाते हैं। आज स्कूल के सभी छात्र इन दोनों के लिए तालियां बजाएंगे।' सर का इतना कहना था, सारे बच्चों ने प्रफुल्ल और आर्यन के लिए जोरदार तालियां बजाईं। इससे दोनों का हौसला और बुलंद हो गया। दोनों ने सोच लिया था कि वे थॉमस अल्वा एडीसन, गैलीलियो और आइंस्टीन के बारे में केवल एग्जाम में ही नहीं लिखेंगे, बल्कि उनकी तरह बन कर दिखाएंगे और अपने स्कूल का नाम रोशन करेंगे।

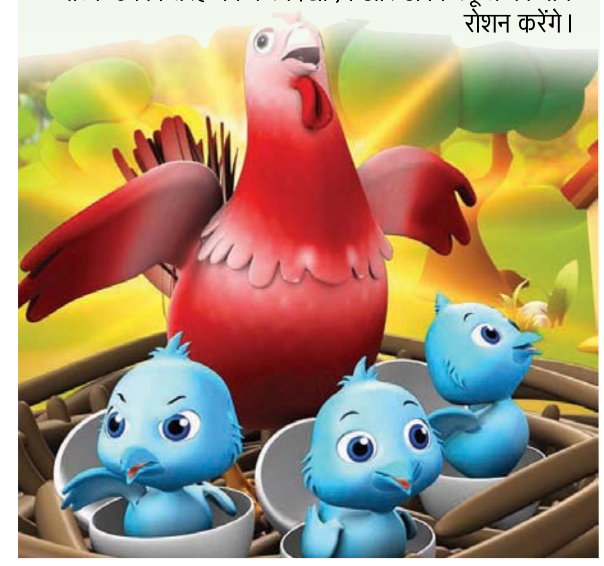

संक्षिप्त खबरें

अनियंत्रित होकर ट्रक पलटा, दो घायल

हरिद्वार। रुड़की में मंगलौर-हरिद्वार बाईपास पर स्क्रैप से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक और परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कर चालक और परिचालक को बमुश्किल बाहर निकाला, जिसके बाद टीम ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हत्या के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

सुल्तानपुर। थाना गोसाईगंज थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव मे एक बुजुर्ग की हत्या के मामले मे चार नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने तीन हत्यारोपित को गिरफ्तार किया है। थाना गोसाईगंज थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में एक व्यक्ति सुरेंद्र प्रताप पांडे (65) की रविवार की शाम गोली मार कर हत्या कर दी गयी। मृतक के परिजनों ने पड़ोसी कैलाश मिश्रा, अंकित मिश्रा व बद्रीप्रसाद मिश्रा पर इस घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार इन दोनों परिवारों के मध्य जिला न्यायालय में वाद (मुकदमा) चल रहा है।

कराची में गुटखा माफिया के घर छापे के दौरान चोरी, तीन महिला कांस्टेबल गिरफ्तार

कराची। पाकिस्तान में गुटखा माफिया से निपटने के लिए स्थापित टास्क फोर्स के दामन पर बड़ा दाग लगा है। कराची में एक गुटखा व्यापारी के यहां छापे के दौरान तीन महिला पुलिसकर्मियों को कथित तौर पर रकम चोरी करते हुए पकड़ा गया। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, छापे के दौरान दो संदिग्धों यूसुफ और हुसैन को गिरफ्तार किया गया। घर से 100 किलोग्राम गुटखा और अन्य सामग्री जब्त की गई। यह छापा ओरंगी में पुलिस उप महानिरीक्षक आबिद फजल के नेतृत्व में मारा गया। छापे के बाद पीड़ितों के परिजनों ने घर से बड़ी धनराशि चुराने का आरोप लगाया।

वास्तु संस्कृति के संरक्षण और स्वच्छता के लिए भागीदारी का किया आह्वान

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विश्व के सबसे सुनियोजित रूप में बसाए गए जयपुर शहर के स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने कहा कि जयपुर विश्वभर में भारतीय वास्तु संस्कृति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि नगर-नियोजन के पुरोधा विद्याधर भट्टाचार्य ने विश्व विरासत में सम्मिलित जयपुर जैसा सुव्यवस्थित और आधुनिक नगर बसाया था। उन्होंने स्थापना दिवस पर शहर की वास्तु संस्कृति और सौंदर्य के साथ स्वच्छता के लिए सभी की भागीदारी का आह्वान किया है।

युवती को शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

जींद। महिला थाना पुलिस ने एक युवती को शादी का झांसा दे उसके साथ दुष्कर्म करने पर भिवानी रोड निवासी साहिल के खिलाफ रेप समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में शहर की एक कालोनी निवासी युवती ने बताया कि उसकी भिवानी रोड खेम नगर निवासी साहिल के साथ जान-पहचान थी। साहिल ने एक दिन उसके पास फोन किया, जिसके बाद उनकी बातें होने लगी। पांच अगस्त को साहिल उसे शादी का झांसा देकर बीड़ वाली ढाणी स्थित एक निजी होटल में ले गया।

25 हजार की इनामी अपराधी गिरफ्तार

जोधपुर। जोधपुर रेंज पुलिस की साइक्लोनर टीम ने रीट पेपर घोटाले की एक वांटेड महिला को गिरफ्तार किया है। महिला अपराधी पर 25 हजार का इनाम घोषित हो रखा था। वह रीट परीक्षा 2021 घोटाले में शामिल होने के साथ वांछित चल रही थी। साइक्लोनर टीम की तरफ से अब तक 56 अपराधियों को पकड़ कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है। रेंज आईजी विकास कुमार ने बताया कि मादक द्रव्य तस्करी के किंगपिंग, पेपरलीक घोटाले के सरगनाओं और लम्बे समय से फरार कुख्यात अपराधियों को पकड़े का सिलसिला जारी है। साइक्लोनर सैल के गठन के आठ महीने में अब तक 56 अपराधी पकड़े जा चुके है।

यमुनानगर : दो मोबाइल चोर गिरफ्तार

यमुनानगर। स्पेशल सैल की टीम ने दो मोबाइल फोन व 8 हजार रुपये की छीना-छपटी करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सोमवार को यह जानकारी देते हुए स्पेशल सैल के इंचार्ज राजेश राणा ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि दो युवक बाइक पर सवार होकर रटोली रोड नजदीक पावर हाउस पर घूम रहे हैं। गुप्त सूचना के आधार पर टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर जाकर वहां घूम रहे दो बाइक सवार युवकों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ शुरू की गई।

सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

जोधपुर। कमिश्नरेट के लूणी और चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना क्षेत्र में अलग अलग सडक हादसों में दो युवकों की मौत हो गई। संबंधित थाना पुलिस ने शवों को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया। लूणी पुलिस थाने के हैडकांस्टेबल सुनील कुमार ने बताया कि गोपासरिया तिंवरी ओसियां निवासी पप्पूराम पुत्र गणपतराम प्रजापत ने रिपोर्ट दी।

जनपद में आकांक्षी जनपद के अन्तर्गत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा

बच्चों के बौद्धिक एवं शारीरिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाये : मार्घेरिटा

हरिद्वार। एजेंसी

वस्त्र एवं विदेश केन्द्रीय राज्यमंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने सोमवार को जिला कार्यालय सभागार पहुंचकर जनपद में आकांक्षी जनपद के अन्तर्गत चल रहे विकास कार्यों की गहनता से समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक बेहतर बनाया जाये। शत- प्रतिशत एएनसी रजिस्टर्ड हों तथा संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दिया जाये। उन्होंने कहा कि जनपद को एनीमिया मुक्त बनाया जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि माइग्रेट गर्भधात्रियों को चिह्नित करते हुए सम्बन्धित जिलों से उनके इन्स्टीट्यूशनल या होम डिलीवरी आदि के बारे में जानकारी लेने का मैकेनिज्म विकसित किया जाये। उन्होंने

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा मुहैया कराई जाये, ड्रॉप आउट बच्चों को चिह्नित करते हुए शिक्षा से जोड़ा जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले तीन से छह वर्ष तक के बच्चों के बौद्धिक एवं शारीरिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने जनपद में सिंचाई कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में ड्रिप तथा स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा दिया जाये।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में युवाओं को उनकी इच्छा के अनुरूप कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाये। जनपद में 15 से 29 वर्ष तक की आयु वर्ग के व्यक्तियों को चिह्नित किया जाये तथा रोजगार से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर सूचनाएं एकत्रित की जायें।

जनपद के सामाजिक एवं आर्थिक विकास, जनसंख्या, प्रशासनिक ढ़ांचा, आकांक्षी जनपद के अन्तर्गत अचीवमेंट, हेल्थ एण्ड न्यूट्रीशन, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास, आधारभूत संरचनाओं आदि के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। जनपद हर सेक्टर में अच्छा कार्य कर रहा है और आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी सेक्टर में अच्छी पफोर्मेन्स पर जिलाधिकारी, जिला प्रशासन सहित मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई दी। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से कहा कि जनपद में चिकित्सा, शिक्षा, क्षेत्र के आर्थिक विकास हेतु सुझाव दिये जाये यदि पोलिसी परिर्तन की आवश्यकता हो तो उसकी ककारण सहित जानकारी दी जाये ताकि उन्हें अपनी रिपोर्ट में शामिल करते हुए सम्बन्धितों के समक्ष प्रमुखता से पैरवी करते हुए पक्ष रखा जा सके।

मार्ग डायवर्ट से जनता को काफी दिक्कतें हो रही हैं : कवासी लखमा

कोंड़ागांव। एजेंसी

जिले में बदहाल हो चुकी केशकाल घाट के सड़क निर्माण का काम जारी है, इसी बीच आज सोमवार को केशकाल घाट का निरीक्षण करने पहुंचे पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने केशकाल घाट के सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय विधायक और राज्य सरकार पर कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार कर जनता को बेवकूफ बनाने का आरोप लगाया है। जिस पर पलटवार करते हुए विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा है कि, कवासी लखमा को गुणवत्ता के बारे में कितना ज्ञान है यह तो मैं नहीं जानता। लेकिन केशकाल घाट के निर्माण की आलोचना कर इसमें व्यवधान डालने का प्रयास किया जा रहा है।

हमें एकजुट होकर घाट का निर्माण जल्द से जल्द पूरा करवाते हुए जनता को इसका लाभ दिलवाने पर विचार करना चाहिए। पूर्व मंत्री कवासी लखमा का कहना है कि घाटी में सड़क निर्माण के कार्य के लिए मार्ग डायवर्ट किया गया है, इससे जनता को काफी दिक्कतें हो रही हैं। इधर विभाग के द्वारा 24 घण्टे निर्माण कार्य करने की बजाय लेटलतीफी करते नजर आ रहे हैं। जिन मोड़ों में सीसी रोड बनाया गया है वहां ठीक से पानी भी नहीं डलवाया जा रहा है।

पुलिस और पशु तस्करों में मुठभेड़

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने रविवार देर रात मुठभेड़ के दौरान गैंगेस्टर, गौ-तस्कर व शातिर अपराधी नीरज गौड़ को गिरफ्तार किया है। जबकि एक अपराधी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया है। थानाध्यक्ष संतोष पाठक अपने हमराहियों के साथ पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। मुखबिर से सूचना मिली कि एक नीली पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाश जो पशु तस्कर हैं। जो लमहन (महराजगंज) गांव में जानवर खरीदने के लिए गये थें। जो मुंगराबादशाहपुर होते हुए इधर आ रहे हैं और मड़ियाहूं होते हुए जलालपुर जाएंगे। उनके पास असलहा भी है। इस सूचना पर पुलिस टीम वही खड़े होकर आने जाने वाले वाहनों पर नजर रखने लगे कि कुछ देर में एक मोटरसाइकिल आती हुई दिखायी दी। मोटरसाइकिल करीब आने पर पुलिस बल ने सड़क पर सामने आकर रोकने का प्रयास किया तो उक्त बदमाश मोटरसाइकिल की स्पीड बढ़ाकर भागने लगें।

नई करुणामूलक रोजगार नीति बनाएगी प्रदेश सरकार: सुखविंद्र

शिमला। एजेंसी

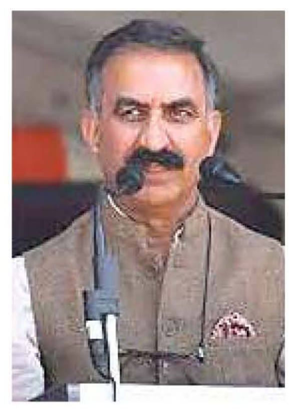

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार एक नई करुणामूलक रोजगार नीति बनाने पर विचार कर रही है। सेवा के दौरान अपने परिवार के सदस्यों को खोने वाले लोगों को रोजगार देने के लिए प्रदेश सरकार उदार और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री सुक्खू सोमवार को यहां उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवेदकों का विभागवार ब्यौरा संकलित कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अधिक से अधिक आवेदकों को लाभान्वित करने के लिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विधवाओं और अनाथों को अनुकंपा के आधार पर रोजगार देने में प्राथमिकता देकर आश्रितों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए हैं। पहली कैबिनेट बैठक में राज्य सरकार ने सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया है ताकि सेवानिवृत्ति के बाद वह सम्मानजनक जीवन जी सकें।

श्रीलंका में नए मंत्रिमंडल का गठन, राष्ट्रपति ने रक्षा और वित्त विभाग अपने पास रखे

कोलंबो। एजेंसी

श्रीलंका में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के गठबंधन नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) की संसदीय चुनाव में हुई प्रचंड जीत के बाद मंत्रिमंडल का गठन किया गया। राष्ट्रपति सचिवालय में हुए समारोह में प्रधानमंत्री सहित 21 मंत्रियों की नियुक्ति हुई। सभी ने राष्ट्रपति के समक्ष शपथ ली। राष्ट्रपति ने रक्षा और वित्त विभाग जैसे कुछ मंत्रालय अपने पास रखे हैं। डेली मिरर समाचार पत्र के अनुसार 22 मंत्रियों की नई कैबिनेट ने आज सुबह राष्ट्रपति सचिवालय में शपथ ली। राष्ट्रपति दिसानायके के पास रक्षा, वित्त, आर्थिक विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था, प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या के पास शिक्षा, उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा और विजेता हेराथ के पास विदेश मामले, विदेशी रोजगार

और पर्यटन विभाग होंगे। अन्य मंत्रियों में प्रो. चंदना अबेरत्ना (राज्य प्रशासन, प्रांतीय परिषद और स्थानीय सरकार विभाग), हर्षना नानायक्कारा (न्याय और राष्ट्रीय एकता विभाग), सरोजा सवित्री पॉलराज (महिला एवं बाल मामलों के विभाग), केडी लालकंठ (कृषि, पशुधन, भूमि और सिंचाई विभाग), अनुरा करुणाथिलके (शहरी विकास, निर्माण और आवास विभाग), रामलिंगम चन्द्रशेखर (मत्स्य पालन विभाग), उपाली पन्निलेज (ग्रामीण विकास, सामाजिक सुरक्षा और सामुदायिक अधिकारिता विभाग), सुनील हाडुनेटी (उद्योग और उद्यमिता विकास विभाग), आनंद विजेपाला (सार्वजनिक सुरक्षा और संसदीय मामलों के विभाग), बिमल रथनायके (परिवहन, राजमार्ग, बंदरगाह और नागरिक उड्डयन विभाग), हिनिदुमा सुनील सेनेवी (बुद्ध सासना, धार्मिक और सांस्कृतिक मामलों के विभाग), डॉ. नलिंदा जयतिस्सा (स्वास्थ्य और मास मीडिया विभाग), सामंथा विद्यारत्न (पौधरोपण और सामुदायिक बुनियादी ढांचे विभाग), सुनील कुमारा गमागे (खेल और युवा मामले विभाग), वासंथा समरसिंघे (व्यापार, वाणिज्य, खाद्य सुरक्षा और सहकारी विकास विभाग)।

रूस के खिलाफ यूक्रेन करेगा अमेरिकी मिसाइलों का इस्तेमाल

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस में हमले के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों के प्रयोग की अनुमति दे दी है। लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति अमेरिका ने यूक्रेन को पहले ही कर दिया है। द वाशिंगटन टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इन हथियारों का इस्तेमाल शुरूआत में पश्चिमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी बलों की रक्षा में रूसी और उत्तर कोरियाई सैनिकों के खिलाफ किए जाने की संभावना है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन का यह निर्णय संयुक्त राज्य अमेरिका की नीति में एक बड़ा बदलाव है। इस फैसले ने बाइडेन के सलाहकारों को विभाजित कर दिया है। बाइडेन के रुख में यह बदलाव नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प के पदभार संभालने से दो महीने पहले आया है। पहले बाइडेन ने कहा था कि भविष्य में यूक्रेन के समर्थन को सीमित किया

जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि इन लंबी दूरी की मिसाइलों को आर्मी टेक्टिकल मिसाइल सिस्टम या एटीएसीएमएस के नाम से जाना जाता है। बाइडेन का यूक्रेन को इनके उपयोग करने की इजाजत देना उत्तर कोरियाई सैनिकों को लड़ाई में लाने के रूस के आश्चर्यजनक फैसले के जवाब में आया है। इस समय रूस की सेना उत्तर कोरियाई सैनिकों के साथ (लगभग 50 हजार सैनिक के साथ) यूक्रेनी ठिकानों पर एक बड़ा हमला करने के लिए तैयार है। क्रेमलिन का लक्ष्य अगस्त में आक्रमण के दौरान यूक्रेनियों द्वारा जब्त किए गए सभी क्षेत्रों को फिर से हासिल करना है।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, दो शिक्षकों की मौत

वाराणसी। चौबेपुर थाना क्षेत्र के डुबकियां बाजार के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार शिक्षकों को रौंद दिया। हादसे में सवार दोनों शिक्षकों की मौत हो गई। रविवार देर रात हुए हादसे की जानकारी पाते ही पुलिस के साथ मृतकों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सारनाथ निवासी हरिओम सिंह (35) और रणधीर शर्मा (36) एक निजी इंटर कालेज में शिक्षक थे। कॉलेज में कार्यरत एक कर्मचारी के घर वैवाहिक समारोह में भाग लेने के लिए दोनों शिक्षक देर शाम पहुंचे थे। देर रात मांगलिक समारोह से दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही दोनों डुबकियां बाजार के समीप पहुंचे सामने आगे जा रही वाहन को ओवरटेक कर ही रहे थे कि दूसरी दिशा से आ रहे वाहन ने टक्कर मार दी। बाइक सड़क के बीचोबीच बने डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। दो उछल कर सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार वाहन दोनों को रौंदते हुए निकल गई। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग जुटे तो दोनों की हालत देख इसकी जानकारी पुलिस को दी।

मानकों को बच्चों तक पहुंचाना बेहद जरूरी: मदन

हरिद्वार। एजेंसी

भूपतवाला स्थित एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में विधायक मदन कौशिक ने शिक्षकों को बच्चों को मानकों के बारे में सिखाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक इस ज्ञान को स्कूलों में ले जाकर बच्चों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को मजबूत कर सकते हैं। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने यह बात कही। विधायक मदन कौशिक ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो के पास विभिन्न वस्तुओं को प्रमाणित करने की जिम्मेदारी है। यह बेहद महत्वपूर्ण कार्य है और इससे देश विकास की राह में आगे बढ़ रहा है। बीआईएस देहरादून शाखा के निदेशक व प्रमुख सौरभ तिवारी ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला का उद्देश्य मानकों में निहित विज्ञान का सार बच्चों तक पहुंचाना है, जिसमें शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मानक बनाने की प्रक्रिया में बच्चे भी शामिल हों तथा अपने सुझाव दें, इसे लेकर स्कूलों में स्टैंडर्ड क्लब संचालित किए गए हैं। बीआईएस के वैज्ञानिक सचिन चौधरी, रिसोर्स पर्सन अनन्त भास्कर व डॉ. मनीषा गर्ग ने बीआईएस तथा स्टैंडर्ड क्लब की गतिविधियों के संबंध में प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया।

भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी है राज्य की भाजपा सरकार : महेश जोशी

गुप्तकाशी। केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में कांग्रेस के चुनाव प्रचार समिति के सदस्य महेश जोशी ने सोमवार को गुप्तकाशी में एक जनसभा को संबोधित किया। महेश जोशी ने कहा कि भाजपा शासन में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सड़कों की हालत बद से बदतर है। आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी प्रदेश सरकार सत्ता का दुरुप्रयोग कर रही है। कांग्रेस नेता जोशी ने कहा कि सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे होने से लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं, प्रसव सड़क पर हो रहे हैं, प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाओं का अभाव है। जिला स्वास्थ्य केंद्र रेफर सेंटर बन कर रह गए और वहां भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। सरकार धन बल से चुनाव जीतना चाहती है। आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी प्रदेश में भाजपा सत्ता का दुरुप्रयोग कर रही है। सरकार की जन विरोधी रवैया से जनता उकता गई है, महंगाई बेरोजगारी चरम पर है, क्षेत्र के लोगों के रोजगार छीने जा रहे है। यात्रा सीजन में सरकार के रवैए से जनता में काफी रोष है।

कार्यक्रम › ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का आयोजन

विद्या वह है, जो हमें बंधनों से मुक्त करे : आनंदीबेन

लखनऊ। एजेंसी

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को 149 पदक दिये गये। इसमें 61 स्वर्ण पदक दिये गये। इसमें छात्राओं ने जहां कुल 95 पदक प्राप्त किये वहीं छात्रों की संख्या 54 रही। स्वर्ण पदक भी छात्राओं को 39 मिले, जबकि छात्रों को 22 मिले। दीक्षा कार्यक्रम के पश्चात माननीया राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी की डिग्रियां को डिजी लॉकर पर अपलोड करने का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने लड़कियों द्वारा सर्वाधिक मेडल प्राप्त करने पर

- हमारे युवा वर्ग को हमारे समृद्ध ज्ञान एवं कौशल से अवगत कराया जा सके
- सभी विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का अर्जन समाज के हित में लगाना चाहिए

खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विद्या वह है जो हमें बंधनों से मुक्त करे। उन्होंने कहा कि परिश्रम करना हमारा कर्तव्य एवं अवॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण ज्ञान होता है, जो सदैव उपयोगी होता है। इसी वजह से आप पढ़ते रहिए। साथ ही लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों का भी लाभ उठाना चाहिए।

उन्होंने इतिहास पर प्रकाश डालते हुए इस कहा कि विदेश से लोग आए और हमारी तकनीक को अध्ययन कर कई अविष्कार कर अपने नाम कर लिया । उन्होंने विश्वविद्यालय से कहा कि अलग अलग भाषाओं में लिखी गई पुस्तकों का अनुवाद होना चाहिए, जिससे हमारे युवा वर्ग को हमारे समृद्ध ज्ञान एवं कौशल से अवगत कराया जा सके।

साथ ही पाठ्यक्रमों में भी इस बारे में उल्लेख होना चाहिए कि विद्वानों ने किस तरह ये सब लिखा है। उन्होंने अपने वक्तव्य में ये भी कहा कि उपाधि प्राप्तकर्ताओं के साथ साथ ये प्रदेश एवं देश की भी उपलब्धि हैं, क्योंकि किसी भी देश के विकास कि परिभाषा वहां के नागरिकों के शिक्षा के स्तर से आंकी जाती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दीक्षांत समारोह का अवसर आपके लिए अपनी उपलब्धियों पर गौरवान्वित होने के साथ साथ आप द्वारा भविष्य के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों पर अग्रसर होने का भी अवसर है। वहीं उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का अर्जन समाज के हित में लगाना चाहिए।

मानद उपाधि एवं मान पत्र राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा प्रदान किया गया

मुख्य अतिथि सीपेट के महानिदेशक शिशिर सिन्हा को डी. लिट की मानद उपाधि एवं मान पत्र राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा प्रदान किया गया। शिशिर सिन्हा ने कहा कि विश्वविद्यालय के नवम दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग करना उनके लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उन्होंने अपने अभिभाषण में विश्वविद्यालय, शिक्षकों एवं अभिभावक गणों की सराहना करते हुए उन्हें विद्यार्थियों के साथ साथ शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्तकर्ताओं से अपेक्षा की कि वे विज्ञान और नैतिक मूल्यों को मिश्रित कर अपने जीवन में आत्म सात करेंगें। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सबसे अधिक युवा जनसंख्या है जिसके कारण हमारा देश एक तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था की श्रेणी में शुमार हो चुका है। उन्होंने विज्ञान और तकनीक पर जोर देते हुए भविष्य के भारत की कल्पना करने का आह्वान किया।

सदस्यता अभियान में अग्रणी रहने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित करना स्वागत योग्य : अशोक

हिसार। एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने सदस्यता अभियान बारे हिसार में हुए प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली के कार्यक्रम को सफल बताया है। उन्होंने सदस्यता अभियान में अग्रणी रहने वालों को सम्मानित करने के हाईकमान के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा। अशोक सैनी ने सोमवार को कहा कि प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने रविवार को यहां सदस्यता अभियान बारे बैठक लेकर समीक्षा की और इस बात पर संतोष जताया कि जिले में सदस्यता अभियान जोर-शोर से चल रहा है। आए दिन हजारों नागरिक सदस्यता लेकर भारतीय जनता पार्टी में अपना विश्वास

जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान के जिला संयोजक एवं पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने जिले में चल रहे सदस्यता अभियान का ब्यौरा रखा और बताया कि जिले में हम लगभग चार लाख सदस्य बना लेंगे जबकि हमें लक्ष्य साढ़े तीन लाख का मिला हुआ है। जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने सदस्यता अभियान में अग्रणी भूमिका निभाने व सबसे अधिक सदस्य बनाने वालों को सम्मानित किए जाने के फैसले का स्वागत किया।

संक्षिप्त खबरें

जीएलडीएफ परिणाम प्रबंधन प्रशिक्षण की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत, विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के सहयोग से, नई दिल्ली में 19 से 22 नवंबर, 2024 तक ग्लोबल लर्निंग एंड डेवलपमेंट फ्रेमवर्क (जीएलडीएफ) परिणाम प्रबंधन प्रशिक्षण की मेजबानी करेगा। चार दिवसीय प्रशिक्षण में मालदीव, म्यांमार, नेपाल, मलेशिया, थाईलैंड, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, फिलीपींस, ब्रुनेई, किर्गिस्तान और लाओस सहित 10 से अधिक देशों के एंटी-डोपिंग पेशेवर और विशेषज्ञ भाग लेंगे, साथ ही वाडा, एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) और बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। जीएलडीएफ प्रशिक्षण, वाडा के क्षमता निर्माण ढांचे के तहत एक आवश्यक पहल है। इसे विभिन्न कार्यक्रम क्षेत्रों में एंटी-डोपिंग चिकित्सकों की तकनीकी विशेषज्ञता को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है, यह विशेष रूप से परिणाम प्रबंधन पर केंद्रित है। प्रतिभागियों को गहन प्रशिक्षण सत्रों से गुजरना होगा जिसमें केस प्रबंधन, न्याय और निर्णय लेने की प्रक्रियाएं तथा विश्व डोपिंग रोधी संहिता और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुप्रयोग जैसे प्रमुख विषय शामिल होंगे।

पेरू के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल हुए अनकैप्ड सिमेओन

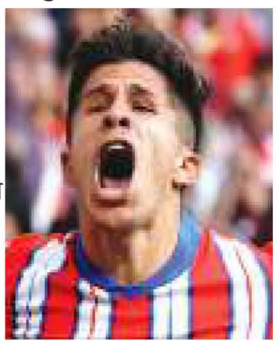

ब्यूनस आयर्स। अनकैप्ड फॉरवर्ड गिउलिआनो सिमेओन को पेरू के खिलाफ होने वाले विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने रविवार को उक्त जानकारी दी। 21 वर्षीय एटलेटिको मैड्रिड के खिलाड़ी को चोट के कारण डिफेंडर नाहुएल मोलिना और क्रिस्टियन रोमेरो के हटने के बाद टीम में शामिल किया गया है। गुरुवार को पैराग्वे के खिलाफ 2-1 से मिली हार के दौरान मोलिना को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जबकि रोमेरो के पैर की समस्या और गंभीर हो गई थी। अर्जेंटीना और पेरू मंगलवार को ब्यूनस आयर्स के ला बॉम्बोनेरा में होने वाले मैच में साल के अपने अंतिम प्रतिस्पर्धी मुकाबले खेलेंगे। मौजूदा विश्व कप और कोपा अमेरिका चैंपियन अर्जेंटीना 11 मैचों में 22 अंकों के साथ 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है। जो दूसरे स्थान पर मौजूद उरुग्वे से तीन अंक आगे है। पेरू अब तक सिर्फ.एक जीत के साथ नौवें स्थान पर है।

यूएसपीएल सीजन 3: शुभम रंजने होंगे मैरीलैंड मेवरिक्स के कप्तान

फ्लोरिडा। फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में शुरू हो रहे यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 के लिए शुभम रंजने मैरीलैंड मेवरिक्स टीम के कप्तान होंगे, जबकि नोस्टुश केनजिगे (नोश) उनके डिप्टी होंगे। मेवरिक्स की टीम अपना पहला मैच अटलांटा ब्लैककैप्स के खिलाफ 22 नवंबर को खेलेगी। 22 नवंबर से शुरू रहे क्रिकेट के इस महाकुंभ का पहला मैच कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच खेला जाना है, जबकि इसी दिन दूसरा मैच मैरीलैंड मेवरिक्स और अटलांटा ब्लैककैप्स के बीच देखने को मिलेगा। मैरीलैंड मेवरिक्स ने पुणे में जन्मे 30 वर्षीय शुभम रंजने को अपनी टीम की कमान सौंपी है। इस बारे में शुभम ने कहा किसी भी टीम का नेतृत्व करना हमेशा ही बड़ी बात होती है और यह मेरे लिए भी गर्व का विषय है। प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के एक समूह का नेतृत्व करना, खेलों के लिए रणनीति बनाना और अपनी टीम को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसके लिए पूरी तरह से आश्वस्त हूं। 34 टी20 खेल चुके शुभम ने आगे कहा टीम का नेतृत्व करना अपने आप में बड़ी बात है।

अबू धाबी टी10 के आठवें संस्करण के लिए दस टीमों के कप्तान और कोच घोषित

बांग्ला टाइगर्स की अगुआई करेंगे शाकिब

- डेक्कन ग्लेडिएटर्स के कप्तान होंगे पूरन
- अबू धाबी टी10 का आठवां संस्करण 21 नवंबर से होगा शुरू

अबू धाबी। एजेंसी

अबू धाबी टी10 का आठवां संस्करण 21 नवंबर से शुरू हो रहा है। इस साल लीग में भाग लेने वाली दस टीमों के कप्तानों और मुख्य कोचों के नाम अब सामने आ गए हैं। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन दो साल पहले भी इसी भूमिका में खेलने के बाद एक बार फिर बांग्ला टाइगर्स की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट कप्तान यूनिस खान लगातार तीसरे साल भी टाइगर्स के मुख्य कोच के रूप में अपना कार्यकाल जारी रखेंगे। डेक्कन ग्लेडिएटर्स में एक बार फिर शामिल होने वाले निकोलस पूरन लगातार तीसरी बार टीम की कप्तानी करेंगे। उनकी कप्तानी में ही ग्लेडिएटर्स ने 2022 में अपना दूसरा खिताब जीता था और 2023 के संस्करण में भी फाइनलिस्ट बने थे। कोचिंग नेतृत्व में कोई बदलाव न करते हुए ग्लेडिएटर्स ने मुश्ताक अहमद को अपना मुख्य कोच बनाए रखने का फैसला किया है। दिल्ली बुल्स की कमान वेस्टइंडीज के टी20 कप्तान रोवमैन पॉवेल को सौंपी गई है, जिन्होंने 2022 में नॉर्दर्न वॉरियर्स की भी कमान संभाली थी। एंडी फ्लावर क्रिस सिल्वरवुड की जगह लेंगे और तीन साल बाद मुख्य कोच के पद पर लौटेंगे।

दो बार की चैंपियन नॉर्दर्न वॉरियर्स को भी अपने नेतृत्व में बदलाव का सामना करना पड़ेगा क्योंकि न्यूजीलैंड के स्टार तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट एंजेलो मैथ्यूज की जगह लेंगे। कोचिंग के मोर्चे पर, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेव व्हाटमोर वॉरियर्स के मुख्य कोच के रूप में शामिल होंगे। इंग्लिश क्रिकेटर फिल साल्ट इस सीजन में टीम अबू धाबी के कप्तान के रूप में ड्वेन प्रीटोरियस की जगह लेंगे, जबकि पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर मार्क बाउचर मुख्य कोच के रूप में टीम में शामिल होंगे। मॉरिसविले सैम्प आर्मी का नेतृत्व पाकिस्तान के रोहन मुस्तफा करेंगे, जबकि पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर लांस क्लूजनर को इस सीजन में मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गई है।

गत चैंपियन न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स ने अपने सफल कोचिंग-कप्तान जोड़ी में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। इसलिए, कीरोन पोलार्ड और कार्ल क्रो, जो 2022 में अपनी स्थापना के बाद से स्ट्राइकर्स के साथ जुड़े हुए हैं, तीसरी बार टीम का नेतृत्व और प्रशिक्षण जारी रखेंगे। पूर्व श्रीलंकाई सीमित ओवरों के कप्तान थिसारा परेरा लीग के सीजन 8 के लिए चेन्नई ब्रेव्स जगुआर के कप्तान के रूप में चरित असलांका की जगह लेंगे, जबकि पूर्व श्रीलंकाई तेज गेंदबाज चमिंडा वास ने इस साल टीम को कोच करने के लिए डगलस ब्राउन की जगह ली है।

अन्वेष चटर्जी ने की शानदार गेंदबाजी, सुपर स्ट्रीकर ने जीता मैच

- स्ट्रीकर की टीम ने पांच विकेट खोकर 23वें ओवर में ही 69 रन बना लिये

लखनऊ। एजेंसी

महिला क्रिकेट लीग मैच में स्काई को सुपर स्ट्रीकर ने पांच विकेट से हराकर बढ़त बना ली। इस मैच में सुपर स्ट्रीकर की कप्तान अन्वेष चटर्जी ने शानदार गेंदबाजी करती हुई मात्र 31 रन देकर चार विकेट झटकी। स्काई की पूरी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर से पहले 24वें में ही 66 रन बनाकर धाराशायी हो गयी। अपनी टीम में निधि सिंह ने सबसे अधिक 20 रन बनाया। वहीं सलामी बल्लेबाज तथीर फातिमा ने मात्र छह रन बनाये। वहीं शशि ने दो रन, अर्पिता सिंह ने छह रन, चांदनी शर्मा ने एक रन, आकंक्षा व सेजल ने दो-दो रन बनाये, जबकि रामा सिंह शून्य पर पवेलियन लौट गयीं। वहीं सुपर स्ट्रीकर की टीम ने पांच विकेट खोकर 23वें ओवर में ही 69 रन बना लिये और पांच विकेट से मैच को जीत लिया। अपेक्षा त्रिपाठी ने अपनी टीम में सर्वाधिक 18 रन बनाये। वहीं सलामी बल्लेबाज अप्रिता चौधरी ने 13 रन का योगदान दिया। खुशबू और प्रतिमा ने सात-सात रन बनाये।

प. बंगाल ने जीती राष्ट्रीय फिनस्विमिंग टीम चैम्पियनशिप

- कर्नाटक और उत्तराखंड को दूसरा और तीसरा स्थान मिला

नई दिल्ली। एजेंसी

पश्चिम बंगाल के तैराकों ने यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स में आयोजित चौथी राष्ट्रीय फि नस्विमिंग चैंपियनशिप 2024 में टीम चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। पश्चिम बंगाल स्विमिंग पूल पर राज करते हुए कुल 151 पदक जीते, जिसमें 67 स्वर्ण, 43 रजत और 41 कांस्य पदक शामिल हैं। उपविजेता कर्नाटक ने कुल 50 पदक जीते। इनमें 17 स्वर्ण, 18 रजत और 15 कांस्य पदक हैं। 21 पदकों के साथ उत्तराखंड को तीसरा स्थान मिला। उन्होंने 8 स्वर्ण, 6 रजत और 7 कांस्य पदक जीते। हरियाणा ने भी 21 पदक (6 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य) जीते लेकिन उत्तराखंड से 2 स्वर्ण कम जीतने के कारण उसे चौथा स्थान मिला।

महाराष्ट्र ने 13 पदक (4 स्वर्ण, 4 रजत और 5 कांस्य) जीतकर 5वां स्थान प्राप्त किया। मणिपुर को 8 पदक (4 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य) के साथ छठा स्थान मिला। मेजबान दिल्ली ने 11 पदक (3 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य) जीते और पदक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि द्रोणाचार्य अवार्डी हॉकी कोच डॉ. ए के बंसल ने विजेताओं को ट्रॉफी और पदक प्रदान किए। बता दें कि अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (यूएसएफआई) द्वारा युवा मामले और खेल मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय इस चैंपियनशिप में 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 1500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (यूएसएफआई) के सचिव डॉ. तपन पाणिग्रही ने चैंपियनशिप के दौरान शानदार जज्बा दिखाने के लिए सभी प्रतिभागियों और टीम अधिकारियों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनकी कड़ी मेहनत और प्रयासों से फिनस्विमिंग तेज गति से देश में अपने पंख फैलाएगी। तैराकी में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता डॉ. पाणिग्रही ने जल्द ही देश में एक लाख फिनस्विमर बनाने का लक्ष्य रखा है।

पीकेएल-11: पुनेरी पल्टन की जोरदार वापसी के बावजूद जयपुर पिंक पैंथर्स की रोमांचक जीत

नोएडा। एजेंसी

पुनेरी पल्टन ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में रविवार रात खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 60वें मैच के 29वें मिनट में आकाश शिंदे के सुपर रेड के साथ जयपुर पिंक पैंथर्स को पहली बार आलआउट कर जोरदार वापसी की थी लेकिन अंतिम पलों के रोमांच में जयपुर ने अपने डिफेंस के दम पर शानदार जीत दर्ज की। जयपुर ने यह मैच 30-28 के अंतर से जीता। जयपुर को 10 मैचों में छठी जीत दिलाने में डिफेंडर अंकुश राठी (6) का अहम योगदान रहा। साथ ही अर्जुन देसवाल (8) और डिफेंस से ही लकी (4) ने भी चमक दिखाई। पल्टन के लिए आकाश शिंदे (7) ही चमक सके। पल्टन को 10 मैचो में तीसरी हार मिली है। इस जीत ने जयपुर को प्वाइंट टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। इस रोमांचक मुकाबले के शुरूआती पलों में जयपुर ने 4-2 की लीड बना रखी थी। फिर अंकुश ने पंकज का शिकार कर पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। अर्जुन ने लगातार दो शिकार कर पल्टन को आलआउट की कगार पर ला दिया और फिर इसे अंजाम तक लाते हुए 11-5 की लीड ले ली।

अर्जुन ने आलइन के बाद भी लगातार तीन अंक लेकर जयपुर को 14-6 से आगे कर दिया। अगली रेड पर हालांकि अबिनेश ने उन्हें लपक लिया। अंकुश ने हालांकि पंकज का शिकार कर हिसाब चुकता किया। 10 मिनट बाद जयपुर 16-7 से आगे थे। ब्रेक के बाद थोड़ा धीमा खेल हुआ। पांच मिनट के खेल में दोनों टीमों को 2-2 अंक मिले। पल्टन ने हालांकि एक बोनस के साथ स्कोर 10-18 कर दिया। पल्टन का डिफेंस अर्जुन को खुलकर खेलने नहीं दे रहा था।

इसके बाद दोनों टीमों को डू ओर डाई रेड पर एक-एक अंक मिला। अमन ने ने आखिरकार अर्जुन का शिकार कर पल्टन को राहत दी। हाफ टाइम तक जयपुर 19-12 से आगे थे।

हॉकी इंडिया ने जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित की

नई दिल्ली। एजेंसी

हॉकी इंडिया ने सोमवार को 26 नवंबर से 4 दिसंबर 2024 तक ओमान के मस्कट में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। भारत ने 2023, 2015, 2008 और 2004 सहित रिकॉर्ड चार बार यह टूर्नामेंट जीता है।

पिछले साल भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब जीता था। इस साल, इस आयोजन में महाद्वीप की 10 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें दो पूल में बांटा गया है। पूल ए में भारत, चीनी ताइपे, जापान, कोरिया और थाईलैंड तथा पूल बी में बांग्लादेश, मलेशिया, चीन, ओमान और पाकिस्तान होंगे। हालांकि भारत मेजबान होने के कारण एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में टीम सुल्तान जोहोर कप में हाल ही में मिली सफलता की लय को जारी रखने की कोशिश करेगी, जहां टीम तीसरे स्थान पर रही थी। इंडिया कोल्ट्स की टीम का नेतृत्व आमिर अली करेंगे और उप कप्तान रोहित होंगे।

व्यापार

एपीएम गैस के आवंटन में कटौती से कंपनियों को झटका, बाजार खुलते ही ध्वस्त हुए शेयर

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार द्वारा महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल), इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) और गुजरात गैल लिमिटेड (जीजीएल) जैसी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को एडमिनिस्टर्ड प्राइस मेकैनिज्म (एपीएम) के तहत दिए जाने वाले गैस के आवंटन में एक बार फिर कटौती करके बड़ा झटका दिया है। इस झटके की वजह से घरेलू शेयर बाजार में कारोबार की शुरूआत होते ही आईजीएल, एमजीएल और जीजीएल के शेयर जोरदार गिरावट का शिकार हो गए। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) का शेयर 35.80 रुपये की गिरावट के साथ 370 रुपये के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत में ही जोरदार बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर 324.70 रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी शुरू होने की वजह से इसकी चाल में मामूली सुधार हुआ। पहले 2 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 11:15 बजे आईजीएल का शेयर 73.30 रुपये यानी 18.06 प्रतिशत टूट कर 332.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) का शेयर भी आज बाजार खुलते ही 237.40 रुपये टूट कर 1,075.25 रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि इस गिरावट के बाद शुरू हुई खरीदारी के कारण सुबह 11:15 बजे ये शेयर 157.15 रुपये यानी 11.97 प्रतिशतकी गिरावट के साथ 1,155.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह गुजरात गैस लिमिटेड (जीजीएल) के शेयर ने भी बाजार खुलते ही जोरदार गोता लगाया। ये शेयर 9.95 रुपये की कमजोरी के साथ 476.05 रुपये के स्तर पर खुला।

जिंका लॉजिस्टिक्स का आईपीओ दो दिनों में 32 फीसदी सब्सक्राइब

नई दिल्ली। एजेंसी

ट्रक मालिकों का डिजिटल प्लेटफॉर्म जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में सोमवार को निवेश का तीसरा और आखिरी दिन है। पिछले दो दिनों में यह इश्यू कुल 32 फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। खुदरा कैटेगरी में यह 92 फीसदी, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) कैटगरी में 25 फीसदी और गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) कैटगरी में चार फीसदी सब्सक्राइब हो चुका है। जिंका लॉजिस्टिक्स के आईपीओ का साइज 1114.72 करोड़ रुपये है। ट्रक मालिकों का डिजिटल प्लेटफॉर्म वाली कंपनी के आईपीओ में 550 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी होंगे। वहीं, मौजूदा शेयरहोल्डर्स और प्रमोटर्स की ओर से 2.16 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) रहेगा। अपर प्राइस बैंड पर ओएफएस की वैल्यू लगभग 564.72 करोड़ रुपये होगी। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 1,115 करोड़ रुपये जुटाने की है।

कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 21 नवंबर को सूचीबद्ध होंगे। जिंका लॉजिस्टिक्स नए निर्गम से प्राप्त 200 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग बिक्री और विपणन पहल के लिए करेगी।

सोना और चांदी के भाव में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 75,790 रुपये से लेकर 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये से लेकर 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 89,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

ब्याज दरों में कटौती की बात को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,870.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 421.46 अंक यानी 2.21 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 18,686.19 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ 43,454.93 स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण यहां के तीनों प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,063.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

कैलाश चन्द्र बिश्नोई, उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा के मजबूत हौसलों एवं उचित प्रबंधन से अवैध निर्माणकर्ताओं एवं अवैध कॉलोनाइजरों में भय का माहौल

जोन-05 :न्यू आतिश मार्केट के पास द्रव्यवती नदी के बहाव क्षेत्र में मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के नेतृत्व में दिया गया प्रभावी कार्रवाई को अंजाम

निजी खातेदारी करीब 02 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्तीकरण ।

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) न्यू आतिश मार्केट के पास द्रव्यवती नदी के बहाव क्षेत्र निजी खातेदारी करीब 02 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्तीकरण।प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांकः 18.11.2024 को जोन-05 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित न्यू आतिश मार्केट के पास, द्रव्यवती नदी के बहाव क्षेत्र निजी खातेदारी करीब 02 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल

व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-05 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, प्रवर्तन अधिकारी जोन-05 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा माह अक्टूबर वर्ष 2024 से आज तक कुल 58 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24×7; हेल्प लाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये मेल cce.jda@rajasthan.gov.in&enforcement.jda@rajasthan.gov.in पर अवैध निर्माण / कब्जा/ अतिक्रमण इत्यादि की शिकायत / परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

संक्षिप्त समाचार

पत्रकारिता के पुरौधा वरिष्ठ पत्रकार मिलाप चंद डंडिया की 'पत्रकारिता का अमृतोत्सव' 24 नवम्बर को

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) पत्रकारिता के पुरौधा और आदर्श वरिष्ठ पत्रकार आदरणीय मिलाप चंद डंडिया की पत्रकारिता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर रविवार, 24 नवम्बर, 2024 को उनकी पत्रकारिता का अमृतोसवर के रूप में मनाया जाएगा। डंडिया ने 31अक्टूबर को अपने यशस्वी जीवन के 94वें वर्ष में प्रवेश किया है उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में गठित

समिति द्वारा उनके अभिनंदन करने हेतु अमृतोसव समारोह आयोजित किया जा रहा है।समारोह राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (फ्क्क्ठ) में रविवार, दिनांक 24 नवम्बर,2024 को आयोजित किया जाएगा। पंजाब के राज्यपाल महामहिम गुलाब चंद कटारिया इस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।समारोह का विस्तृत कार्यक्रम और औपचारिक निमंत्रण अभिनंदन समिति आपको शीघ्र ही प्रेषित करेगी। यह अग्रिम सूचना आपकी जानकारी हेतु है। समारोह की गरिमा बढाने हेतु इस समारोह में आपकी सपरिवार उपस्थिति प्रार्थनीय है।

श्री महाकाली मूर्ति प्राणप्रतिष्ठा एवं महायज्ञ का पूर्णाहुति के साथ हुआ विधिवत समापन

- **भागवत कथा सुनने उमड़ी भक्तों भीड़, हर्षोल्लास और आनंदमय होकर रिझाया भगवान को।**

चमकता राजस्थान। शाहपुरा (खलील कुरैशी)। शाहपुरा के समीप खोरा श्याम दास गांव में बड़ा कुआ ढाणी में अमरसर धाम के श्री श्री 1008 प्रेमगिरी महाराज के सानिध्य और महायज्ञ के आचार्य कामनाथ शास्त्री धवली वालो के आचार्यत्व में चल रहे श्री महाकाली मूर्ति प्राणप्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में चल रहे श्री 21 कुण्डात्मक महाकाली महायज्ञ का पूर्णाहुति के साथ महायज्ञ का समापन हुआ। महायज्ञ के उपाचार्य वैदिक रमाकान्त टीलावत (खोरी वाले)ने बताया कि सोमवार को आवाहित देवताओं का पूजन,अर्चन के साथ महायज्ञ में वैदिक मंत्रों से विद्वानों द्वारा रुद्र सूक्त, नर्वाण मन्त्र, श्रीसूक्त की यजमानों ने आहुति दिलवाई गयी।क्षेत्रपाल की बलि देकर पूर्णाहुति सम्पन्न हुई। कई साधु संतों ने पूर्णाहुति में भाग लिया।आचार्य कामनाथ शास्त्री ने महायज्ञ का यजमानो ने पूजन अर्चन वस्त्र देकर आशीर्वाद लिया। महायज्ञ के विद्वान श्रीराम शर्मा ने बताया कि सोमवार को महाकाली माताजी कीमूर्तिकीप्राणप्रतिष्ठा ,हनुमानजी की,शिव परिवार, के साथ महायज्ञ की पूर्णाहुति दोपहर 12:15 सम्पन्न हुई। विशाल भंडारा दोपहर 2 बजे से आयोजित हुआ। भंडारे में हजारों भक्तों ने पंगत प्रसादी ग्रहण करी।सोमवार सुबह 8:15 बजे मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा हुई।श्रीमदभागवत कथा का भी पूर्णाहुति के साथ समापन ।कथा व्यास कामनाथ महाराज धवली ने कहा कि भागवत कथा की पूर्णाहुति पर भगवान श्री कृष्ण और सुदामा का भावपूर्ण मित्रता की कथा सुनाई। और कथा में बताया कि कैसे भगवान अपने मित्र के लिए दौड़ करके आये वैसे ही सभी मनुष्य अपने मित्र की सहायता करे । कथा व्यास पूजन के साथ के साथ कथा का विश्राम हुआ।

टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 के तहत तंबाकू मुक्ति के लिए 1250 बच्चों ने ली शपथ

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण)। बाड़ी, 18 नवंबर 24 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़ी में तंबाकू मुक्ति के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन प्रभात संस्थान धौलपुर एवं युवा चेतना समिति बाड़ी धौलपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजन किया गया। प्रभात संस्थान के निदेशक राकेश कुमार ने बताया कि टोबेको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 पूरे भारतवर्ष में चलाया जा रहा है।जिसका उद्देश्य जो लोग धूम्रपान कर रहे हैं, उन्हें धूम्रपान छोड़ने के लिए जागरूक किया जा रहा है, और जो लोग युवा पीढ़ी है, उसे नशे की लत से बचाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। राजस्थान में लगभग आधी आबादी युवाओं की है, क्षेत्रफल की दृष्टि से भी सबसे बड़ा राज्य है। धूम्रपान के दुष्प्रभाव के इन आंकड़ों के माध्यम से देख सकते हैं कि पूरे भारतवर्ष में लगभग 15 लाख मौत धूम्रपान की वजह से हो जाती है। और जो लोग धूम्रपान करने के बाद धुआ बाहर छोड़ते हैं। उसके प्रभाव से लगभग 1 लाख लोगों की मौत हो जाती है। अगर राजस्थान की बात करें, तो प्रत्येक दिन लगभग 200 मौतें हो जाती है। और साल भर में लगभग 80000 लोग धूम्रपान की वजह से अपनी जान गवा देते हैं। युवा चेतना समिति अध्यक्ष रामदास तरुण ने बताया कि विद्यालय से 100 गज की दूरी में गुटखा तंबाकू बेचना दंडनीय अपराध है। और अगर विद्यालय परिसर में या सार्वजनिक स्थान पर कोई भी व्यक्ति धूम्रपान करते हुए, या बेचते हुए पाया जाता है, तो कानून के तहत 200 चालान कट सकता है। इस कार्यक्रम के मौके पर प्रधानाचार्य हरिओम सिंह सिकरवार द्वारा सभी बच्चों को मीठी सुपारी, तंबाकू, बीड़ी .... या किसी भी प्रकार का धूम्रपान नहीं करने के लिए प्रेरित किया। अंत में सभी उपस्थित बच्चों को निदेशक प्रभात संस्थान द्वारा शपथ ग्रहण समारोह मैं संकल्प लिया गया। कि भविष्य में कभी भी धूम्रपान नहीं करेंगे और अपने परिचितों को धूम्रपान छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही अपने विद्यालय को धूम्रपान मुक्त बनाने के लिए भी पूरा प्रयास करेंगे। इस अवसर पर संस्थान की ओर से राकेश कुमार, रामदास तरुण तथा स्कूल स्टाफ की ओर से प्रधानाचार्य हरिओम सिंह सिकरवार , उप प्रधानाचार्य नीरू शर्मा, रेनू गर्ग, हुकम अग्रवाल नीलम मीना, अमर सिंह, माधव सिंह मीणा, भंवर मीणा, पुष्पेंद्र कुमार शर्मा, दिलीप शर्मा, सुनील कुमार शुक्ला, शिव शंकर गर्ग, लक्ष्मण सिंह विख्याता, हंसराज पचौरी, मुकेश कुमार शर्मा, रामनिवास मीणा, जानकी शर्मा, शरण बिहारी पाराशर, मनीष पचौरी, शाकिर खान संस्था सदस्य, राजेश, मनीष कुमार,सहित समस्त स्टाफ उपस्थित तरह रहा।

प्योर इंडिया ट्रस्ट द्वारा उद्यमी महिलाओं के लिए वित्तीय साक्षरता और माहवारी स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम

चमकता राजस्थान। बाड़ी/ धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर जिले में प्योर इंडिया ट्रस्ट और सिडबी बैंक के सहयोग से बाड़ी ब्लॉक के विभिन्न गांवों में 345 से अधिक महिलाओं के लिए स्मार्ट निवेश और महिला माहवारी स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय साक्षरता और स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक करना था। वित्तीय साक्षरता पर पवन तिवारी ने बताया कि यह समाज के विभिन्न वर्गों, विशेष रूप से युवा पीढ़ी और महिलाओं, के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में आमदनी, खर्च, बचत, महंगाई, वित्तीय योजना, बीमा और निवेश के विकल्पों पर चर्चा की गई। वहीं, टल्ल्र कार्यक्रम की मास्टर ट्रेनर रजनी ने महिलाओं और किशोरियों को माहवारी स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने माहवारी की प्रक्रिया, स्वच्छता, माहवारी के दौरान इस्तेमाल होने वाले साधन और उनसे जुड़ी भ्रांतियों पर विस्तृत जानकारी दी, ताकि महिलाएं बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन कर सकें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में स्थाई वित्तीय साक्षरता और स्वच्छता जागरूकता फैलाना है, जिससे समाज आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से मजबूत बने। प्योर इंडिया ट्रस्ट के सुपरवाइजर पुष्पेंद्र सिंह के नेतृत्व में 100 से अधिक महिलाओं को स्वरोजगार में प्रशिक्षित किया जा चुका है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यशाला में प्योर इंडिया ट्रस्ट बाड़ी के प्रोजेक्ट कार्यकर्ता रामबरन गोस्वामी, गांव के सरपंच, आगनबाड़ी कार्यकर्ता और गांव की महिलाएं उपस्थित थीं। इस पहल से न केवल महिलाओं की स्थिति सशक्त हुई है, बल्कि ग्रामीण समुदाय की समग्र सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की हुई जाँच, मिला उपचार

मां वाउचर योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को मिला सोनोग्राफी के लिए वाउचरः डॉ विजय सिंह फौजदार

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम। 18 नवंबर । प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से सोमवार को गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। जिसमें उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनका ईलाज करने के साथ पोषण युक्त आहार की जानकारी प्रदान की गई। गौरतलब है कि राज्य स्तर के निर्देशानुसार अब प्रत्येक माह की 09, 18 व 27 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,जयपुर प्रथम डॉ.विजय सिंह फौजदार ने बताया कि जिले के चिकित्सा संस्थानों पर मनाए गए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत विशेषज्ञ चिकिसकों द्वारा मां वाउचर योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी कराने के लिए माँ वाउचर दिये गए साथ

ही अन्य जाँच व उपचार किये गए । उनके रक्तचाप, शर्करा के स्तर, वजन, लंबाई, हीमोग्लोबिन, रक्त, एचआईवी जांच, हृदय स्पंदन आदि की जांच कर उनको गर्भ में पल रहे शिशु और स्वयं की देखभाल के विषय मे बताया गया और आई.एफ.ए. कैल्शियम तथा अन्य आवशयक दवाएं उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर चिकित्साकर्मियों द्वारा उन्हें पौष्टिक आहार के महत्व को बताते हुए पोषणयुक्त आहार लेने हेतु जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को गुणवत्ता युक्त प्रसव पूर्व जांच सुविधाएं देने के उद्देशय से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता है, जिससे गर्भावस्था व प्रसव के दौरान जोखिम को कम करने में मदद मिल सके। अभियान का मुख्य उद्देशय गर्भवती महिलाओं को एक स्वस्थ जीवन प्रदान करना है। गर्भवती महिलाओं को रोगों, उपचार एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है, जिससे बच्चे के स्वस्थ जीवन के साथ ही सुरक्षित प्रसव को सुनिश्चित किया जा सके और जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य में आने वाले जोखिम को पूर्व में पहचान कर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की जा सके।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929